

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

कीमत:\$-10 मुफ्त

अवकहडा चक

| 0147601 447 | |
|-----------------------|-------------------|
| पाया (नक्षत्र आधारित) | चाँदी |
| वर्ण | शूद्र |
| योनि | व्याध |
| गण | राक्षस |
| वश्य | मानव |
| नाड़ी | मध्य |
| दशा भोग्य | Mar 0 Y 10 M 23 D |
| लग्न | मेष |
| लग्न अधिपती | मं गल |
| राशि | तुला |
| राशि अधिपती | शुक्र |
| नक्षत्र–पद | चित्रा ४ |
| नक्षत्र अधिपती | मं गल |
| जुलियन डे | 2459550 |
| रास (भारतीय) | वृश्चिक |
| रास (पाश्चात्य) | धनु |
| अयनांश | 024.09.45 |
| अयनांश नाव | लाहिरी |
| तिर्यक्ता | 023.26.11 |
| नाक्षत्र काल | 20.06.51 |
| | |

अनुकूल चिन्ह

| जाउन्दर्भ । न ए | |
|-----------------|-------------------------|
| भाग्यवान अंक | 2 |
| शुभ अंक | 1, 3, 7, 9 |
| अमंगल अंक | 5, 8 |
| शुभ वर्ष | 11,20,29,38,47 |
| भाग्यवान दिवस | शनि, बुध, शुक |
| शुभ ग्रह | शनि, बुध, शुक |
| स्नेहपूर्ण राशि | कन्या, मकर, कुंभ |
| शुभ लग्न | सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन |
| भाग्यवान धातु | चांदी |
| भाग्यवान अश्म | हीरा |

मूलभूत तपशील

| <u> </u> | |
|----------------------------|-------------|
| लिंग | Male |
| जन्मदिनांक | 1:12:2021 |
| जन्मवेळ | 15:59:0 |
| जन्मदिवस | बुधवार |
| इष्टकाल | 022-55-58 |
| जन्मस्थान | Satara |
| काल विभाग | 5.5 |
| अक्षांश | 17:40:N |
| रेखांश | 73 : 58 : E |
| स्थानीय समय संशोधन | 00:34:07 |
| युद्ध काल दुरुस्ती | 00:00:00 |
| जन्मवेळेची एल.एम.टी. | 15:24:52 |
| जन्मवेळ जी एम टी प्रमाणे | 10:28:60 |
| तिथी | द्वादशी |
| हिंदु आठवडा पद्धतीतला दिवस | । बुधवार |
| पक्ष | कृष्ण |
| योग | सौभाग्य |
| कारण | तैतिल |
| सूर्योदय | 06:48:36 |
| सूर्यास्त | 17:57:42 |
| दिवस अवधी | 11:09:05 |
| | |

घातक (पाप ग्रह)

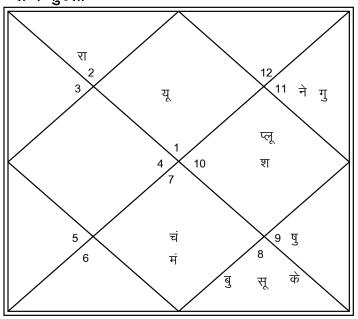
| () | |
|------------------|--------------|
| प्रतिकूल दिवस | गुरुवार |
| प्रतिकूल कारण | तैतिल |
| प्रतिकूल लग्न | कन्या |
| प्रतिकूल महिना | माघ |
| प्रतिकूल नक्षत्र | शतभिषा |
| प्रतिकूल प्रहर | 4 |
| प्रतिकूल राशि | धनु |
| प्रतिकूल तिथि | 4, 9, 14 |
| प्रतिकूल योग | अतिगण्ड |
| प्रतिकूल ग्रह | सूर्य, चंद्र |



पारंपारिक

| नाव | Shreeraj Su | ır जुलिसम उक्केhe | 2459550 | लग्न अधिप | ती मंगल | दशा भोग्य | Mar 0 Y 10 M 23 D |
|---------------|-------------|--------------------------|-----------|-----------|----------------|----------------|-------------------|
| लिंग | Male | अयनांश नाव | लाहिरी | लग्न | मेष | कारण | तैतिल |
| दिनांक | 1.12.2021 | अयनांश | 024.09.45 | योग | सौभाग्य | नक्षत्र अधिपती | मंगल |
| दिन | बुधवार | स्थान | Satara | तिथी | द्वादशी | नक्षत्र–पद | चित्रा—4 |
| जन्मवेळ | 15.59.0 | रेखांश | 73.58.E | सूर्यास्त | 17.57.42 | राशि अधिपती | शुक्र |
| साम्पातिक काल | 20.06.51 | अक्षांश | 17.40.N | सूर्योदय | 06.48.36 | राशि | तुला |

लग्न कुंडली



विमशोत्तरी दशा

| मंगल —7 वर्ष 1/12/21 पासून 24/10/ | | |
|--------------------------------------|----------|---|
| मंगल | 00/00/00 | |
| राहु | 00/00/00 | |
| गुरू | 00/00/00 | |
| शनि | 00/00/00 | l |
| बुध | 00/00/00 | |
| केतु | 00/00/00 | |
| शु क | 18/11/21 | |
| सूर्य | 24/3/22 | |
| चंद्र | 24/10/22 | |

| 2 | राहु — 24/10/22 | 18 वर्ष पासून 24 / 10 / | 40 |
|---|--------------------|-----------------------------|----|
| | राहु | 6/7/25 | |
| | गुरू | 30/11/27 | |
| | शनि | 6/10/30 | |
| | बुध | 24/4/33 | |
| | केतु | 12/5/34 | |
| | शुक् | 12/5/37 | |
| | सूर्य | 6/4/38 | |
| | चंद्र | 6/10/39 | |
| | मंगल | 24/10/40 | |

| **** | –19 वर्ष 6 पासून 24/10/ | 7 5 | बुध — 24/10/75 | 17 वर्ष पासून 24/10/92 |
|-------------|----------------------------|------------|-------------------|---------------------------|
| शनि | 27/10/59 | | बुध | 21/3/78 |
| बुध | 6/7/62 | | केतु | 18/3/79 |
| केतु | 15/8/63 | 1 | शुक | 18/1/82 |
| সু ক | 15/10/66 | 1 | सूर्य | 24/11/82 |
| सूर्य | 27/9/67 | | चंद्र | 24 / 4 / 84 |
| चंद्र | 27/4/69 | | मंगल | 21/4/85 |
| मंगल | 6/6/70 | | राहु | 9/11/87 |
| राहु | 12/4/73 | | गुरू | 15/2/90 |
| गुरू | 24/10/75 | | शनि | 24/10/92 |

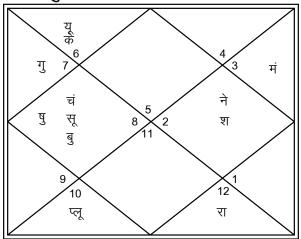
| शुक - | -20 वर्ष | | सूर्य – | |
|---------|----------------|----|--------------|--------------|
| 24/10/9 | 9 पासून 24/10/ | 19 | 24 / 10 / 19 | पासून 24/10/ |
| शुक् | 24/2/03 | | सूर्य | 12/2/20 |
| सूर्य | 24/2/04 | | चंद्र | 12/8/20 |
| चंद्र | 24 / 10 / 05 | | मंगल | 18/12/20 |
| मंगल | 24 / 12 / 06 | | राहु | 12/11/21 |
| राहु | 24/12/09 | | गुरू | 30/8/22 |
| गुरू | 24/8/12 | | शनि | 12/8/23 |
| शनि | 24 / 10 / 15 | | बुध | 18/6/24 |
| बुध | 24/8/18 | | केतु | 24 / 10 / 24 |
| केतु | 24 / 10 / 19 | | शुक् | 24/10/25 |

| 24 / 10 / 40 पार | 16 वर्ष मून 24/10/5 |
|------------------|------------------------|
| गुरू | 12/12/42 |
| शनि | 24/6/45 |
| बुध | 30/9/47 |
| केतु | 6/9/48 |
| शुक | 6/5/51 |
| सूर्य | 24/2/52 |
| चंद्र | 24/6/53 |
| मंगल | 30/5/54 |
| राहु | 24/10/56 |

| केत् –७ वर्ष | | | |
|------------------|------------|--|--|
| 24 / 10 / 92 पार | नु 24/10/g | | |
| केतु | 21/3/93 | | |
| शुक | 21/5/94 | | |
| सूर्य | 27/9/94 | | |
| चंद्र | 27/4/95 | | |
| मंगल | 24/9/95 | | |
| राहु | 12/10/96 | | |
| गुरू | 18/9/97 | | |
| शनि | 27/10/98 | | |
| बुध | 24/10/99 | | |

| चंद्र –10 | ० तर्ष |
|------------------|----------|
| 24 / 10 / 25 पार | |
| चंद्र | 24/8/26 |
| मंगल | 24/3/27 |
| राहु | 24/9/28 |
| गुरू | 24/1/30 |
| शनि | 24/8/31 |
| बुध | 24/1/33 |
| केतु | 24/8/33 |
| शुक | 24/4/35 |
| सूर्य | 24/10/35 |

नवांश कुंडली



| كا | | | | |
|------------|---------|----------|---------------|----|
| ग्रहमाली अ | वस्था | | | |
| ग्रह | रास | अक्षांश | नक्षत्र | पद |
| लग्न | मेष | 14.38.21 | भरणी | 1 |
| सूर्य | वृश्चिक | 15.17.43 | अनुराधा | 4 |
| चंद्र | तुला | 04.57.28 | चित्रा | 4 |
| मंगल | तुला | 27.32.53 | विशाखा | 3 |
| बुध | वृश्चिक | 16.32.59 | अनुराधा | 4 |
| गुरू | कुंभ | 01.20.09 | धनिष्ठा | 3 |
| शुक्र | धनु | 26.35.53 | पूर्वाषाढा | 4 |
| शनि | मकर | 14.50.06 | श्रवण | 2 |
| राहु (व) | वृषभ | 06.59.05 | कृतिका | 4 |
| केतु (व) | वृश्चिक | 06.59.05 | अनुराधा | 2 |
| यूरे (व) | मेष | 17.40.47 | भरणी | 2 |
| नेप | कुंभ | 26.11.36 | पूर्वाभाद्रपद | 2 |
| 뗫 | मकर | 00.43.05 | उ0षाढा | 2 |
| | • | • | | |

| अष्टवर्ग कोष्टक | | | | | | | | | | | | |
|-----------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| राशी क्रमांक | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| सूर्य | 3 | 3 | 5 | 7 | 5 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 3 | 3 |
| चंद्र | 3 | 4 | 6 | 2 | 6 | 5 | 2 | 4 | 3 | 4 | 5 | 5 |
| मंगल | 5 | 2 | 1 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| बुध | 6 | 3 | 1 | 8 | 5 | 5 | 5 | 5 | 2 | 7 | 3 | 4 |
| गुरू | 6 | 6 | 3 | 4 | 7 | 5 | 3 | 5 | 5 | 4 | 5 | 3 |
| शुक्र | 4 | 3 | 5 | 3 | 5 | 7 | 5 | 4 | 5 | 3 | 4 | 4 |
| शनि | 2 | 3 | 5 | 4 | 4 | 4 | 2 | 3 | 4 | 2 | 3 | 3 |
| एकूण | 29 | 24 | 26 | 32 | 36 | 34 | 24 | 29 | 24 | 30 | 24 | 25 |
| | | | | | | | | | | | | |

| चलित क | चलित कोष्टक | | | | |
|--------|-------------|----------|---------|----------|--|
| भाव | रास | भाव आरंभ | रास | भाव मध्य | |
| 1 | मीन | 28.05.52 | मेष | 14.38.21 | |
| 2 | मेष | 28.05.52 | वृषभ | 11.33.23 | |
| 3 | वृषभ | 25.00.54 | मिथुन | 08.28.26 | |
| 4 | मिथुन | 21.55.57 | कर्क | 05.23.28 | |
| 5 | कर्क | 21.55.57 | सिंह | 08.28.26 | |
| 6 | सिंह | 25.00.54 | कन्या | 11.33.23 | |
| 7 | कन्या | 28.05.52 | तुला | 14.38.21 | |
| 8 | तुला | 28.05.52 | वृश्चिक | 11.33.23 | |
| 9 | वृश्चिक | 25.00.54 | धनु | 08.28.26 | |
| 10 | धनु | 21.55.57 | मकर | 05.23.28 | |
| 11 | मकर | 21.55.57 | कुंभ | 08.28.26 | |
| 12 | कुंभ | 25.00.54 | मीन | 11.33.23 | |

।। आपले लग्न ।।

लग्न काय आहे -

लग्न वैदिक ज्योतिष मध्ये फार महत्त्वाचे मानले जाते. व्यक्ती चे जन्म वेळे, आकाशात जी राशि पूर्वी क्षितीज वर उदय होते त्याला व्यक्ती च लग्न म्हणतात. लग्न एक व्यक्ती चे जीवनात सूक्ष्म घटना ची गणना मध्ये मदत करते.

आपले लग्न आहेः **मेष**

आरोग्य मेष लग्ना साठीः

ज्यांचे द्विज मेष राशीत आहे, त्यांना डोकेदुखी, अर्धशिशी, चेतनी शूल व अवसादावस्था या प्रकारच्या व्याधी होण्याचा संभव असतो. अपचन व चेतीय विकृती, तसेच अपघात व इजा, आणी अधूनमधून मूळव्याध असे आजार होऊ शकतात. मेष राशीच्या बर्याच व्यक्तिंना जन्मतः डोक्यावर किंवा चेहर्यावर जन्माखूण असते. मेष राशीच्या व्यक्तिला उच्च रक्तदाबासारखे रक्ताभिसरणाचे विकार होऊ शक्तत.

प्रवृत्ति व व्यक्तित्व मेष लग्ना साठीः

मेष राशिच्या व्यक्तींमध्ये भरपूर ताकत व उत्साह असतो, ज्यामुळे या व्यक्ति नेहमी पुढाकार घेण्यास तत्पर असतात. स्पष्टवक्तेपणा ही त्यांची मुख्य खुण. जन्मजात पुढारी असल्यामुळे मेष राशिला दुसर्यांकडून आदेश घेणे पटत नाही. त्यांच्या लहरीपणामुळे या व्यक्ति आकर्षक वाटतात परंतु अशा स्वभावामुळे ते आक्रमक आणी चंचल वाटू शकतात. नाही म्हणायला, या व्यक्ति पटकन पटतात व खूष होतात. स्पष्टवक्तेपणामुळे बर्याचदा वादिववादास बळी पडतात. त्यांचा हट्टीपणा व चटकन राग येण्याची वृत्ती इतरांना संभ्रमात पाडू शकते, पण ही माणसे तितकीच लवकर शांत देखील होतात. त्यांचा लहरीपणा कधी कधी त्यांना गोत्यात आणू शकतो. मेष राशिला सौंदर्य, कला व दिमाख आवडतात पण पाण्यापासून ही माणसे लांब राहतात. या राशिला आराम सर्वात प्रिय असतो, पण ठरवलेले कार्य पार पडल्यानंतरच. मेष राशीची व्यक्ति समजूतदार व प्रेमळ असते, कधी कधी भावूक असली तरीही.

शारीरिक आभास मेष लग्ना साठीः

मेष राशीची माणसांची चेहर्याची ठेवण कोनीय असते — त्यांचे नाक, हनुवटी व जिवणी उठावदार असतात. ते सुदृढ बांध्याचे असतात, त्यांची उंची व अंगकाठी मध्यम प्रतीची असते. कुरळे केस, कमानदार भुवया, बदामी त्वचा, पुरुषांमध्ये बलवान शरीरयष्टी, व स्त्रियांमध्ये गतीप्रेरक शरीरयष्टी — कान्खार्तेचा व शक्तीचा अनुमान देतात. साधारणतः या व्यक्तींचे केस भुरे किंवा काळे, कुरळे असतात. बर्याच वेळा त्यांच्या डोक्यावर खुण किंवा वण असण्याची शक्यता असते. त्यांच्या रक्तवाहिन्या नजरेस दिसून येतात व जखमांचे वण देखील दिसून येतात.



।। नक्षत्र फळ ।।

हिंदू ज्योतिष शास्त्रामध्ये नक्षत्राचे विशेष महत्व आहे. अयान्वृत्तावरील २७ (कधी कधी २८) क्षेत्रातील प्रत्येक क्षेत्रास नक्षत्र मानले जाते. त्यांची नावे आपापल्या क्षेत्रातील प्रमुख तारापुंज चिन्हाशी निगडीत असतात. नक्षत्रांची सुरुवात अयान्वृत्तावारीन स्पिका नामक तार्याच्या (ज्याला संस्कृत मध्ये चित्रा म्हणतात) बरोबर विमुख टोकापासून होते. (ह्याची इतर वेगळी व्याख्या देखील सापडु शकते). याला श्मेषाची सुरुवात अथवा श्मेषादिश् म्हणतात. ह्या टोकापासून अयान्वृत्त पूर्वेकडे नक्षत्रांमध्ये विभागले जाते. नक्षत्रांची संख्या नाक्षत्रिक मासाच्या दिवसांशी जुळते (आधुनिक माप — २७.३२ दिवस) — नक्षत्राची रुंदी चंद्र साधारण एका दिवसात ओलांडतो. प्रत्येक नक्षत्र चतुर्थांशामध्ये (किंवा पदांमध्ये) परत विभागले जाते. ही पदे हिंदू लोकप्रिय ज्योतिषमध्ये प्रमुख भूमिका गाजवतात — प्रत्येक पद एका अक्षराशी जुळलेले असते. चंद्र त्या पदात असताना जन्मलेल्या मुलाचे नाव या अक्षरापासून सुरु होते.

तुमचा नक्षत्र : चित्रा

आपले नक्षत्र पद: 4

चित्रा नक्षत्र भाकित श्रव्रहत जातकानुसार नक्षत्र भाकित : तुम्ही खूप मेहेनती आणि समाजात वावरणारे आहात. तुमचे बहुधा सगळ्यांशीच चांगले संबंध आहेत. तुम्ही कुणालाही भेटल्यावर भरपूर प्रेम व्यक्त करता. तुमच्यात उत्तम वक्तृत्वगुण आहे आणि तुम्ही तुमच्या नात्यांमध्ये नेहमी समतोल साधण्याचा प्रयत्न करता. तुम्ही खूप भावनिक आहात. पण तुम्ही फायदा-नुकसानही चांगल्या प्रकारे जाणता. त्यामुळे तुम्ही तुमच्या भावनांना तुमच्या सामाजिक जीवनावर वर्चस्व गाजवू देत नाही. तुमच्यात नेहमी उर्जा सळसळत असते आणि तुम्ही घाँडसी आहात. काहीही असले तरी तुम्ही तुमच्या उर्जेने ते काम पूर्ण करता. कोणत्याही विपरित परिसंथितीमध्ये तुम्ही बावरून जात नाही. उलट तुमच्या धांडसी स्वभावानुसार तुम्ही त्या समस्यांना सामोरे जाता, त्यावर मात करता आणि पुढे जाता. तुम्हाला काहीतरी वेगळे करायला आवडते आणि तुम्ही स्वस्थ बसू शकत नाही. तुम्ही कोणतेही काम न करण्यासाठी कारणे शोधत नाही, जे काही करायचे आहे, ते लवकरात लवकर करण्याकडे तुमचा कल असतो. एखादी गोष्ट पूर्ण करून झाल्यावर लगेचच दुसरे काहीतरी करण्यात तुम्ही व्यग्र होता. तुम्ही लगेचच दुसरे काम घेता. किंबहुना विश्रांती हा शब्दच तुम्हाला माहीत नाही. तुम्ही कधी कधी हट्टी होता. तुम्ही नोकरीपेक्षा व्यवसायाला प्राधान्य देता कारण व्यवसायाशी निगडीत गोष्टींमध्ये तुमचा मेंदू अधिक चांगले काम करतो. याच उद्योगी विचारांमुळे तुम्हाला खूप यश मिळेल. तुमचे तुमच्या वाणीवर प्रभूत्व आहे, पण तुम्ही राग नियंत्रणित करणे आवश्यक आहे आणि संयमाने काम केले पाहिजे. तुम्ही सहजासहजी निराश होत नाही कारण आशावादी राहणे, हा तुमचा अजून एक चांगला गुण आहे. संपत्ती गोळा करणे तुम्हाला अत्यंत आवडते आणि तुम्हाला भौतिक सुखांचा उपभोग घ्याला आवडतो. तुम्हाला विज्ञान आणि कलेच्या क्षेत्रात चांगली रुची आहे. एखादी उणीव तुम्ही पटकन भरून काढता आणि आपल्या तुमची झळाळी शाबूत कशी ठेवायची, हे तुम्हाला चांगले ठावूक आहे. तुमचे बांधलेला अंदाज बहुधा योग्य निघतो, त्यामुळे तुमचे विश्लेषण नेहमी बरोबर असते. तुमच्या हटवादीपणामुळे तुम्हाला कधीकधी विरोधही सहन करावा लागू शकतो. पण, तुमची वाढ होण्यासाठी या अडथळ्यांचा उपयोग होणार आहे. वयाच्या ३२ व्या वर्षापर्यंत तुमचे आयुष्य काहीसे खडतर असेल, पण त्यानंतर सर्वकाहीच अद्भूत असेल. तुमच्या विडलांकडून तुम्हाला विशेष प्रेम आणि संरक्षणही मिळेल. विज्ञानाचे तुम्हाला नेहमीच आकर्षण राहील आणि बहुधा तुम्ही याच शाखेतून शिक्षण घ्याल. तुम्ही आकर्षक, स्वातंत्र्याचे भोक्ते आहात, पण कधीतरी बेजबाबदारपणे वागता.

शिक्षण आणि उत्पन्न : वास्तु तज्ज्ञ, फॅशन डिझायनर, मॉडेल, सौंदर्यप्रसाधनांशी संबंधित कामे, प्लास्टिक सर्जरी, शस्त्रक्रीया, छायाचित्रण, ग्राफिक डिझायनिंग, संगीत दिग्दर्शक किंवा गीतकार, सोनार, चित्रकार किंवा कलाकार, पटकथा लेखक, औषधाशी संबंधित कामे, जाहिरातीशी निगडित कामे इत्यादी क्षेत्रा तुमच्यासाठी अनुकूल आहेत.

कौटुंबिक आयुष्य: तुमचे तुमच्या पालकांवर आणि भावंडांवर खरे प्रेम आहे. पण, तुमच्या कामाच्या स्वरुपामुळे तुम्हाला त्यांना कदाचित सोडावे लागेल. तुम्हाला तुमच्या जन्मस्थळापासून कदाचित दूर जाऊन राहावे लागेल. त्यामुळ तुम्हाला तुमच्या पालकांपासून दूर जाऊन राहावे लागेल. वैवाहिक आयुष्यात तुम्ही नेहमी तंटे आणि वादविवादांपासून दूर राहा, नाही तर तुम्हा दोघांमध्ये समस्या निर्माण होतील.

गुणधर्मः

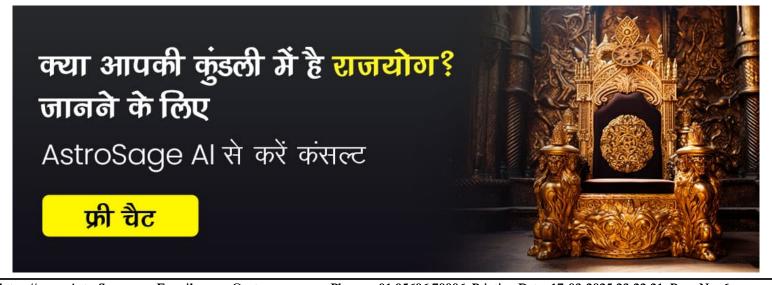
तुम्ही एक गूढ व्यक्ती आहात. स्वतःला केवळ तुम्ही स्वतःच ओळखू शकता. असे असले तरी तुमच्या मूळ स्वभावात नसलेल्या घटकांनुसारही तुम्ही काही वेळा वागू शकता.तुमच्याकडे चुंबकीय शक्ती आहे आणि त्या क्षमतेचा वापर तुम्ही चांगल्या किंवा वाईट कामासाठी करू शकता. त्याचा वापर कसा करायचा हे तुमच्या इच्छेवरच अवलंबून आहे. सुदैवाने तुम्ही तुमची क्षमता चांगल्या कामासाठी वापरता. परिणामी, तुमच्या या चुंबकीय क्षमतेमुळे तुम्ही इतरांवर प्रभाव टाकता.तुमचे मन आणि हृदय विशाल आहे. तुम्ही इतरांना मदत करण्यासाठी सदैव तयार असता. तुम्ही आनंदाचे मूल्य जाणता आणि तो कसा मिळवायचा हेही तुम्हाला ठावूक आहे, पण इतरांना दुखावून तुम्ही स्वतः आनंद मिळवत नाही. किंबहुना तुम्ही इतरांना आनंद देण्यासाठी तुम्ही नेहमी प्रयत्नशील असता.तुम्ही सहानुभूतीपूर्ण, कष्टकरी, दानशूर आणि मित्रत्वाच्या नात्याने वागणारे आहात, पण तुमचा पारा पटकन चढतो. तुम्हाला राग येतो तेव्हा तुम्ही स्वतःवरील नियंत्रण गमावून बसता आणि तुम्ही स्वतःचे असे काही मत तयार करता, ज्यावर तुम्हाला नंतर पश्चात्ताप करावा लागतो. त्यामुळे स्वतःवर नियंत्रण ठेवण्याचा प्रयत्न करा.

आनंद व समाधानः

तुम्ही आध्यातमिक विचारसरणीचे असल्यामुळे इतरांसाठी तुम्ही आदर्श आहात आणि तुम्ही इतरांना प्रेरणा देता. तुम्ही अत्यंत संवेदनशील असल्यामुळे तुम्ही सर्वांचे आवडते असता आणि तुम्ही क्वचित दुसर्याला दुखवता. आयुष्यात समोर येणार्या समस्या या खरे तर तुमचे व्यक्तिमत्व पूर्ण होण्यासाठी मिळालेली शिकवण असते हे लक्षात आल्यामुळे तुम्ही आनंदी असता.

जीवनशैलीः

प्रत्येक यशस्वी व्यक्तीमागे एका प्रियकराचा / प्रेयसीचा हात असतो, असे म्हटले जाते तेव्हा तुमचा उल्लेख निश्चितच होतो. तुमचे ध्येय साध्य करण्यासाठी तुमचा जोडीदार तुम्हाला पुरेपुर साथ देईल.



पेशाः

तुम्ही जबाबदारी अत्यंत गंभीरपणे पार पाडता. त्यामुळे तुमची महत्त्वाकांक्षा मोठी असते आणि तुमचे वरिष्ठ तुमच्यावर अतिरिक्त जबाबदारी टाकतात. त्यामुळे कार्यकारी क्षमतेच्या हुद्दा मिळेल अशा प्रकारे तुम्ही तुमचे ध्येय ठेवले पाहिजे.

व्यवसाय:

तुम्ही अत्यंत पद्धतशीरपणे आणि काळजीपूर्वक काम करता. त्यामुळे तुम्ही प्रशासकीय कामासाठी अत्यंत योग्य आहात. तुम्ही बँकेतही उत्तम प्रकारे काम करू शकाल. शिक्षणविषयक क्षेत्रामध्ये काम करण्यासाठी आवश्यक असलेले गुण आणि क्षमता तुमच्या अंगी आहेत. उद्योग म्हटला की, त्यातील यश हे सक्तीच्या दैनंदिन कामांवर अवलंबून असते, ते तुम्ही करू शकाल आणि परीक्षा दिल्यानंतर मिळणारी जी पदे असतात ती तुम्हाला सहज मिळू शकतील. तुम्ही उत्तम चित्रपट दिग्दर्शक होऊ शकाल. पण तुम्ही अभिनेते होऊ शकत नाही, कारण त्यासाठी लागणारी प्रवृत्ती तुमची नाही.

आरोग्य:

तुमच्या प्रकृतीचा विचार करता, तुम्हाल ती चांगली लाभली आहे. पण तुम्हाला मेंदूशी संबंधित विकार आणि अपचन होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या अतिसंवेदनशील स्वभावामुळे ही व्याधी उद्भवू शकते. सामान्य माणसापेक्षा तुम्ही लवकर थकता आणि या प्रकारारत तुम्ही आयुष्यात घेतलेला आनंद पुरेसा नसतो. तुम्ही जीभेचे चोचले पुरवल्यामुळे तुम्हाला पचनासंबंधी त्रास होऊ शकतात. तुम्ही खूप सेवन केले आहे. तुम्ही जे खाल्ले आहे ते खूपच जड होते आणि बहुधा ते दिवसाच्या शेवटी खाल्ले गेले. तुमच्या उतारवयात तुम्ही जाड होण्याची शक्यता आहे.



छंद:

तुम्हाला पर्यटन करणे फार आवडते, त्यासाठी वेळ आणि पैसे खर्च करण्याची तुमची तयारी असते. त्यासाठी तुम्हाला साध्या करमणूकीवर समाधान मानावे लागेल. पत्ते खेळणे तुम्हाला आवडते आणि वायरलेस सेटपासून ते फोटोग्राफी प्रिंटपर्यंत वस्तू तयार करण्यातून तुम्हाला आनंद मिळतो.

प्रेम विषयकः

तुम्ही मित्रांना कधीच विसरत नाही. तुमचे मित्रांची वर्तुळ खूप विस्तारलेले आहेत. त्यांच्यापैकी अनेक जण दुसरी भाषा बोलणारे आहेत. जर तुम्ही जोडीदार निवडला नसेल तर याच मित्रमैत्रिणींमधून तुम्ही तुमचा जोडीदार निवडाल. तुम्हाला ओळखणार्या व्यक्तींसाठी तुमची निवड हा एक धक्का असेल. तुम्ही विवाह करून समाधानी व्हाल. पण वैवाहिक आयुष्य हेच तुमच्यासाठी सर्वकाही असणार नाही. तुमच्यासमोर इतरही पर्यायी मार्ग समोर येतील आणि ते तुम्हाला घरापासून दूर नेतील. तुमच्या जोडीदाराने याला आवर घालण्याचा प्रयत्न केला तर कदाचित बेबनाव निर्माण होऊ शकेल.

धनः

आर्थिक बाबतीत तुम्ही नशीबवान असाल पण तुम्ही ऐषोआरामी राहणीमानात जगाल. सट्टेबाजारात तुम्ही मोठे धोके पत्कराल किंवा मोठ्या स्तरावरील व्यवसाय करण्याचा प्रयत्न कराल३ एकूणातच तुम्ही यशस्वी व्हाल. तुम्ही एक उद्योगपती म्हणून आपले स्थान निर्माण कराल. आर्थिक व्यवहारात नशीब तुम्हाला साथ देईल. तुम्हाला भेटी किंवा प्रॉपर्टी मिळण्याचीही शक्यता आहे. तुमच्या जोडीदाराच्या बाबतीतही तुम्ही नशीबवान असाल. लग्नानंतर तुम्हाला पैसा मिळेल किंवा तुमच्या स्वतःच्या हिमतीवर तुम्ही तो मिळवाल. एक गोष्ट नक्की, ती ही की, तुम्ही श्रीमंत व्हाल.



शिक्षणः

तुम्ही आपल्या मध्ये गूढ रहस्य सामावून ठेवतात. यामुळेच सामान्य विषयाच्या उत्तरात तुमची पकड काही अश्या विषयात असेल जी प्रत्येक व्यक्ती करू शकणार नाही. दुसरीकडे सामान्य शिक्षणाची गोष्ट केली तर तुम्हाला त्यात आव्हानांचा सामना करावा लागू शकतो. अत्याधिक मेहनत आणि चिकाटी सोबत प्रयत्न केल्यास शिक्षणात यश मिळेल. तुम्हाला नियमित रूपात आपल्या विद्येच्या प्रति जागरूक रहावे लागेल आणि अभ्यास करावा लागेल म्हणजे तुम्ही विषयांना समजून त्याला आकलन करू शकाल. बर्याचदा तुम्ही वाईट संगतीचे शिकार होतात. तुम्हाला याकडे विशेष रूपात लक्ष दिले पाहिजे कारण वाईट संगतीच्या कारणाने आपल्या शिक्षणात विपरीत प्रभाव पडेल आणि अशी शक्यता आहे की तुमच्या शिक्षणात व्यत्यय येईल. काही वेळा या स्थिती तुमच्या विपरीत असेल आणि तुम्हाला शिक्षणाने विमुख करू शकते, म्हणून तुम्हाला तुमच्या शिक्षणाच्या बाबतीत गंभीरतेने विचार करून त्यावर विशेष लक्ष दिले पाहिजे.



।। मांगलिक दोष ।।

साधारणतः मांगलिक दोष जन्म पत्रिकेतील लग्न व चंद्राच्या स्थानांवरून मांडले जातात.

जन्म तक्त्यामध्ये, मंगल हा लग्नापासून सातवे घरात आहे , तर चंद्राच्या तक्त्यामध्ये मंगळ पहिले घरात आहे।

म्हणून मंगळ दोष आहेलग्न आलेख व चंद्र आलेख दोन्हीत उपस्थित.

मंगळ दोष व्यक्तीच्या वैवाहिक जीवनात अडथळे आणू शकतो. काहींचे मानणे आहे की मंगळ दोषामुळे जोडीदारास वरचेवर आजारपण किंवा मृत्यू देखील येऊ शकतो.

असे मानले जाते की मांगलिक व्यक्तीचे दुसर्या मांगलिक व्यक्तीबरोबर लग्न झाल्यास मंगळ दोषाचा प्रभाव नष्ट होतो.

काही इलाज (मंगळ दोष असल्यास)

इलाज (विवाह पूर्वीचे)

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह व अश्वथ विवाह हे मंगळ दोषावर लोकप्रिय इलाज आहेत. अश्वथ विवाह म्हणजे पिंपळ किंवा केळीच्या झाडाशी लग्न करून त्यानंतर ते झाड कापून टाकणे. कुंभ विवाह, ज्याला घट विवाह देखील म्हणतात, म्हणजेच एखाद्या मडक्याशी विवाह करून ते मडके फोडून टाकणे.

इलाज (विवाह नंतरचे)

- 1) केशरिया गणपती (शेंदरी रंगाची गणेशाची प्रतिमा) देव्हार्यात ठेऊन तिची रोज पूजा करावी.
- 2) हनुमान चालीसाचा जप करून रोज हनुमानाची आराधना करावी.
- 3) महामृत्युंजय पाठ करावा (महामृत्युंजय मंत्राचे पठण करावे).

इलाज (लाल किताब वर आधारित विवाहानंतरचे)

- 1.पक्ष्यांना गोड खाऊ घालावे.
- 2.(हस्तिदंत) हाथी दांत घरी ठेवावा.
- 3.वडाच्या झाडाची दुध व गोड पदार्थाने पूजा करावी.

नोटः आमचा सल्ला आहे की आपण ज्योतिष्याशी सल्लामसलत करून मगच हे इलाज स्वतः करावेत.



| नाव | Shreeraj Suryakant Ubhe |
|-----------|-------------------------|
| दिनांक | 1/12/2021 |
| जन्मवेळ | 15:59:0 |
| जन्मस्थान | Satara |
| लिंग | Male |
| राशि | तुला |
| तिथी | द्वादशी |
| नक्षत्र | चित्रा |

| क्रमांक | साडेसाती / पानोती | शनी राशी | प्रारंभ तारीख | अंत तारीख | टप्पा |
|---------|----------------------|----------|-----------------------|-----------------------|--------|
| 1 | छोटी पानोती | मकर | जानेवारी 24,2020 | एप्रिल 28,2022 | |
| 2 | छोटी पानोती | मकर | जुलै 13,2022 | जानेवारी 17,2023 | |
| 3 | छोटी पानोती | वृषभ | ऑगस्ट 08,2029 | ऑक्टोबर 05,2029 | |
| 4 | छोटी पानोती | वृषभ | एप्रिल 17,2030 | मे 30,2032 | |
| 5 | साडेसाती | कन्या | ऑक्टोबर 23,2038 | एप्रिल 05,2039 | आरोहित |
| 6 | साडेसाती | कन्या | जुलै 13,2039 | जानेवारी 27,2041 | आरोहित |
| 7 | साडेसाती | तुळ | जानेवारी 28,2041 | फेब्रुवारी 05,2041 | शिखर |
| 8 | साडेसाती | कन्या | फेब्रुवारी 06,2041 | सप्टेंबर 25,2041 | आरोहित |
| 9 | साडेसाती | तुळ | सप्टेंबर 26,2041 | डिसेंबर 11,2043 | शिखर |
| 10 | साडेसाती | वृश्चिक | डिसेंबर 12,2043 | जून 22,2044 | अस्त |
| 11 | साडेसाती | तुळ | जून 23,2044 | ऑगस्ट 29,2044 | शिखर |

| क्रमांक | साडेसाती / पानोती | शनी राशी | प्रारंभ तारीख | अंत तारीख | टप्पा |
|---------|----------------------|----------|-----------------------|-----------------------|--------|
| 12 | साडेसाती | वृश्चिक | ऑगस्ट 30,2044 | डिसेंबर 07,2046 | अस्त |
| 13 | छोटी पानोती | मकर | मार्च 07,2049 | जुलै 09,2049 | |
| 14 | छोटी पानोती | मकर | डिसेंबर 04,2049 | फेब्रुवारी 24,2052 | |
| 15 | छोटी पानोती | वृषभ | मे 28,2059 | जुलै 10,2061 | |
| 16 | छोटी पानोती | वृषभ | फेब्रुवारी 14,2062 | मार्च 06,2062 | |
| 17 | साडेसाती | कन्या | ऑगस्ट 30,2068 | नोव्हेंबर 04,2070 | आरोहित |
| 18 | साडेसाती | तुळ | नोव्हेंबर 05,2070 | फेब्रुवारी 05,2073 | शिखर |
| 19 | साडेसाती | वृश्चिक | फेब्रुवारी 06,2073 | मार्च 30,2073 | अस्त |
| 20 | साडेसाती | तुळ | मार्च 31,2073 | ऑक्टोबर 23,2073 | शिखर |
| 21 | साडेसाती | वृश्चिक | ऑक्टोबर 24,2073 | जानेवारी 16,2076 | अस्त |
| 22 | साडेसाती | वृश्चिक | ਯੁਕੈ 11,2076 | ऑक्टोबर 11,2076 | अस्त |
| 23 | छोटी पानोती | मकर | जानेवारी 15,2079 | एप्रिल 11,2081 | |
| 24 | छोटी पानोती | मकर | ऑगस्ट 03,2081 | जानेवारी 06,2082 | |
| 25 | छोटी पानोती | वृषभ | जुलै 18,2088 | ऑक्टोबर 30,2088 | |
| 26 | छोटी पानोती | वृषभ | एप्रिल 06,2089 | सप्टेंबर 18,2090 | |
| 27 | छोटी पानोती | वृषभ | ऑक्टोबर 25,2090 | मे 20,2091 | |
| 28 | साडेसाती | कन्या | ऑक्टोबर 12,2097 | मे 02,2098 | आरोहित |
| 29 | साडेसाती | कन्या | जून 20,2098 | डिसेंबर 25,2099 | आरोहित |

| क्रमांक | साडेसाती / पानोती | शनी राशी | प्रारंभ तारीख | अंत तारीख | टप्पा |
|---------|----------------------|----------|-----------------------|-----------------------|--------|
| 30 | साडेसाती | तुळ | डिसेंबर 26,2099 | मार्च 17,2100 | शिखर |
| 31 | साडेसाती | कन्या | मार्च 18,2100 | सप्टेंबर 16,2100 | आरोहित |
| 32 | साडेसाती | तुळ | सप्टेंबर 17,2100 | डिसेंबर 02,2102 | शिखर |
| 33 | साडेसाती | वृश्चिक | डिसेंबर 03,2102 | नोव्हेंबर 29,2105 | अस्त |
| 34 | छोटी पानोती | मकर | फेब्रुवारी 25,2108 | जुलै 28,2108 | |
| 35 | छोटी पानोती | मकर | नोव्हेंबर 23,2108 | फेब्रुवारी 16,2111 | |
| 36 | छोटी पानोती | वृषभ | मे 19,2118 | जुलै 01,2120 | |
| 37 | साडेसाती | कन्या | डिसेंबर 08,2126 | फेब्रुवारी 04,2127 | आरोहित |
| 38 | साडेसाती | कन्या | ऑगस्ट 22,2127 | ऑक्टोबर 26,2129 | आरोहित |
| 39 | साडेसाती | तुळ | ऑक्टोबर 27,2129 | जानेवारी 18,2132 | शिखर |
| 40 | साडेसाती | वृश्चिक | जानेवारी 19,2132 | एप्रिल 25,2132 | अस्त |
| 41 | साडेसाती | तुळ | एप्रिल 26,2132 | ऑक्टोबर 13,2132 | शिखर |
| 42 | साडेसाती | वृश्चिक | ऑक्टोबर 14,2132 | जानेवारी 07,2135 | अस्त |
| 43 | साडेसाती | वृश्चिक | ऑगस्ट 08,2135 | सप्टेंबर 21,2135 | अस्त |
| 44 | छोटी पानोती | मकर | जानेवारी 07,2138 | मार्च 31,2140 | |
| 45 | छोटी पानोती | मकर | ऑगस्ट 23,2140 | डिसेंबर 27,2140 | |



सबसे डिटेल्ड कुंडली

बृहत् कुंडली | 250+ पेज | सिर्फ ₹399

अभी ऑर्डर करें

शनी साडेसातीः आरोहितटप्पा

हा शनी साडेसातीचा सुरवातीचा काळ आहे. ह्या काळात शनी चंद्रातून बाराव्या घरामध्ये संक्रमण करेल. सामान्यतः हे आर्थिक नुकसान, लपलेल्या शत्रूपासून नुकसान, दिशाहीन प्रवास, वाद आणि गरिबी ला दर्शवते. या कालखंडात तुम्हाला गुप्त शत्रूद्वारे झालेल्या समस्यांना सामोरे जावे लागेल. सहकार्यांसोबत संबंध चांगले राहणार नाही आणि ते तुमच्या कार्यक्षेत्रात बाधा आणू शकतात. घरातल्या गोष्टींमध्येही तुम्हाला आव्हानांचा सामना करावा लागू शकतो. याने तणाव आणि दबावाची परिस्थिती निर्माण होईल. तुम्हाला तुमच्या खर्चावर नियंत्रण ठेवण्याची गरज आहे. नाहीतर, तुम्ही खुप मोठ्या आर्थिक संकटात पडू शकतात. या काळात लांबचा प्रवास चांगला नसेल. शनीचा स्वभाव विलंब आणि तणावाचा असतो. तुम्हाला शेवटी परिणाम नक्कीच मिळेल म्हणून, धैर्य ठेवा आणि चांगली वेळ येण्याची वाट बघा.या काळाला शिकण्याचा काळ समजा आणि कठीण मेहनत करा. परिस्थिती स्वतः चांगली होत जाते. या वेळी व्यवसायात कुठलीही मोठा धोका आणि आव्हान घेऊ नका.

शनी साडेसातीः शिखरटप्पा

हा शनि साडेसातीचा उच्च बिंदू आहे. साधारणतः हा काळ सर्वात कठीण असतो. या वेळी चंद्रातून संक्रमण करणारा शनी आरोग्य संबंधी समस्या, चिरत्र खराब करण्याचा प्रयत्न, नात्यांमध्ये दुरावा, मानसिक अशांती आणि दुःखाचे संकेत देतात. या काळात यश मिळवण्यासाठी कठीण परिस्थिती वाटेल. तुम्हाला तुमच्या कठीण मेहनतीचा परिणाम मिळणार नाही आणि स्वतःला बांधलेले वाटेल. तुमचे आरोग्य आणि प्रतीक्षा प्रणाली पुरेशी सशक्त राहणार नाही. कारण पहिले घर आरोग्याला दर्शवते म्हणुन, तुम्हाला नियमित व्यायाम आणि आरोग्याची काळजी घेणे गरजेचे आहे, अन्यथा तुम्ही दिर्घकालीन आजारांना बळी पडाल.सोबतच तुम्हाला उदासीनता, अज्ञात भय, भयगंड यांचा सामना करावा लागू शकतो. शक्यता आहे या कालखंडात तुमचे विचार, कार्य आणि निर्णय घेण्याची क्षमतामध्ये पारदर्शकता राहणार नाही. समाधानकारकपणे परिस्थितीचा स्विकार करणे आणि मुलभूत कामे चांगल्या प्रकारे करणे या संकटाच्या काळामधुन काढु शकेल.

शनी साडेसातीः अस्तटप्पा

हा शिन साडेसातीची मावळती दशा आहे. शिनी चंद्रातून दुसर्या घरात प्रवेश करेल, जेणेकरून आर्थिक व घरगुती संकटे उद्भवतील. साडेसातीच्या दोन दशा संपल्यानंतर काहीसा आराम मिळेल. तरीही, गैरसमज व आर्थिक तणाव कायम राहतील. खर्च वाढतच राहतील व तुम्हाला त्यावर ताबा ठेवावा लगेल. अचानक आर्थिक झटका बसण्याचा किंवा चोरी होण्याचा देखील संभव आहे. निराशावादी असाल, तर नैराश्य झटकून उत्साहाने व्यवहार करा. कुटुंबाकडे नीट लक्ष ठेवा अन्यथा मोठे त्रास उद्भवू शकतील. विद्यार्थ्यांसाठी — शिक्षणावर किंचित परिणाम होईल. पूर्वी सारखे गुण मिळवण्यासाठी अधिक परिश्रम घ्यावे लागतील. फळ मिळण्यास विलंब होईल. हा काळ धोक्याचा आहे — विशेष करून वाहन चालवताना काळजी घ्यावी. शक्य असल्यास, शनीला खूष ठेवण्यासाठी मासाहारी पदार्थ व मद्यपान टाळावे. समजुतदारपणे आर्थिक व कौटुंबिक बाबी हाताळल्यास ह्या काळातून सुखरूप पार पडाल.

टिपणः वरील भाकिते साधारण स्वरुपाची आहेत व साडेसाती हानिकारक असते या समजुतीवर आधारित आहेत. खरे पाहता, आमच्या अनुभवानुसार प्रत्येक स्थितीमध्ये असे नसते आणि आम्ही वाचकांना हा लेख वाचण्यासाठी विनंती करतो. फक्त साडेसातीच्या आधारावर काहीही निष्कर्ष काढणे योग्य नाही आणि त्याची चुकीचे होण्याची शक्यता असते. साडेसातीचा काळ चांगला असेल की वाईट हे ठरवण्याआधी जसे वर्तमानात चाललेली दशा आणि शनीचा स्वभाव इत्यादींच्या विश्लेषणाची आवश्यकता असते. तुम्हाला सल्ला दिला जातो की, उपयुक्त फलकथनाला गंबीरतेने घेऊ नका तुमच्या मनात जर काहीही शंका असेल तर ज्योतिषांचा सल्ला घ्या.

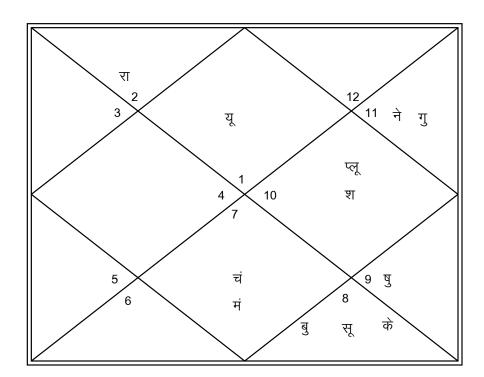
।। कालसर्प दोष ।।

कालसर्प दोष / योग

माहिती असलेल्या भाषेनुसार जर जन्म कुंडली मध्ये संपूर्ण ग्रह राहू आणि केतू या ग्रहांच्या मध्य स्तिथीत असेल, तर अशा स्तिथीला ज्योतिषी कालसर्प दोष म्हणतात. वर्तमानात या दोषावरील चर्चा ज्योतिषांमधे खूप चर्चित आहे. कुठल्याही माणसाच्या आयुष्यात काहीही अडचण असेल आणि त्याचा कुंडलीमध्ये हा दोष असेल तर, बाकीच्या गोष्टी न बघता ज्योतिषी हा निष्कर्ष सांगतात की संबंधित व्यक्तीला जी काही अडचण येते आहे ती कालसर्प दोषामुळे येत आहे. परंतु वास्तविकता ही आहे की, जर कुंडली मध्ये बाकीचा ग्रहांची स्तिथी जर चांगली असेल तर एकटा कालसर्प दोष नुकसानकारक ठरत नाही. उलट इतर ग्रहांची स्तिथी चांगली असल्यामुळे हा योग चांगल्या योगासारखे काम करते. आणि प्रगतीसाठी मदत करते तसेच बाकीचे ग्रह अशुभ फळे देणारे असेल तर हा अशुभ फळामध्ये वृद्धी करतो. कालसर्प दोषाचे नाव ऐकून घाबरण्याची गरज नाही तर, याचे ज्योतिषीय विश्लेषण करून त्यामुळे मिळणारे परिणाम आणि दुष्परिणाम याची माहिती घेऊन त्यावर उपाय करणे गरजेचे आहे. या गोष्टीवर जास्त लक्ष देण्याची गरज आहे कि, ह्या योगाचा परिणाम वेगवेगळ्या लोकांवर वेगवेगळ्या प्रकारे होत असल्याचे बघायला दिसते कारण, याचा परिणाम कोणत्या भावामध्ये कोणती राशी स्थित आहे आणि त्यामध्ये कोणकोणते ग्रह बसतात आणि त्यांचे सामर्थ्य किती आहे हे त्यांचा गुणांवर आधारित आहे सोबतच कालसर्प दोष हा योग कोणकोणत्या भावाचा मध्य बनत आहे त्या नुसार या दोष अध्ययोगाचा प्रभाव पडतो भावस्तिथिनुसार हा योग किव्हा ह्या दोषाला बारा प्रकारे मानले गेले आहे.

निष्कर्षः तुमची कुंडली कालसर्प दोष – योगाने मुक्त आहे.

लग्न कुंडलीः

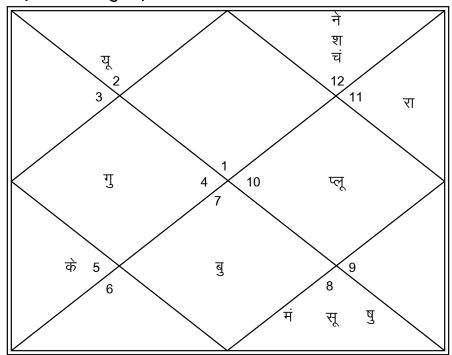




।। वर्षफल (वार्षिक अनुमान) तपशील ।।

| जन्म | | वर्ष |
|--------------|----------------------|--------------|
| Male | लिंग | Male |
| 1/12/2021 | जन्मदिनांक | 1/12/2025 |
| 15:59:0 | जन्मवेळ | 16:35:40 |
| बुधवार | जन्मदिवस | सोमवार |
| Satara | जन्मस्थान | Satara |
| 17 | अक्षांश | 17 |
| 73 | रेखांश | 73 |
| 00 : 34 : 07 | स्थानीय समय संशोधन | 00 : 34 : 07 |
| 00:00:00 | युद्ध काल दुरुस्ती | 00:00:00 |
| 15 : 24 : 51 | जन्मवेळेची एल.एम.टी. | 16 : 01 : 32 |
| 06:48:36 | सूर्योदय | 06 : 48 : 37 |
| 17 : 57 : 42 | सूर्यास्त | 17 : 57 : 42 |
| मेष | लग्न | मेष |
| मंगल | लग्न अधिपती | मंगल |
| तुला | राशि | मीन |
| शुक्र | राशि अधिपती | गुरू |
| चित्रा | नक्षत्र | रेवती |
| मंगल | नक्षत्र अधिपती | बुध |
| सौभाग्य | योग | व्यतिपात |
| तैतिल | कारण | विष्टि |
| धनु | रास (पाश्चात्य) | धनु |
| 024-09-45 | अयनांश | 024-13-07 |
| लाहिरी | अयनांश नाव | लाहिरी |

वर्षफल कुंडली(सौर परतीचा कुंडली)



।। वर्षफल (वार्षिक अनुमान) तपशील ।।

मुन्थाः ५ भाव

तुमच्या बुद्धिमत्तेची सर्व स्तरांतून प्रशंसा होईल. तुमचा व्यवसाय आणि उद्योग यात तुम्ही चमकाल. कुटुंबात होणारा बाळाचा जन्म तुम्हाला आनंद देईल. या काळात ज्ञान आणि धार्मिक शिकवण मिळेल. या काळात तीर्क्षक्षेत्री किंवा एखाद्या मनोरंजन स्थळाला भेट द्या. तुमचा सन्मान होईल आणि शासनकर्ते व उच्च अधिकारी यांच्याकडून तुमची प्रशंसा होईल.

डिसेंबर 1, 2025 — जानेवारी 22, 2026 दशा बुध बुध भावक्रमांक 7

अत्यंत उत्पादनक्षम वर्ष असेल त्यामुळे तुम्ही जे काही ध्येय गाठले आहे, त्याचे समाधान तुम्हाला मिळेल. या काळात तुम्ही आयुष्य पूर्ण सकारात्मकतेने आणि चौतन्याने जगाल. प्रवास, ज्ञानार्जन आणि प्रगतीच्या भरपूर संधी या काळात उपलब्ध होतील. तुमच्या कार्यक्षेत्रात विरुद्ध लिंगी व्यक्तीकडून सहकार्य मिळेल. तुम्ही ज्या आदरास लायक आहात, तो आदर तुम्हाला या काळात मिळेल आणि तुमचे जीवन अधिक स्थिर होईल. सहेबाजारातील व्यवहार फायदेशीर ठरतील. जमीन किंवा वाहन खरेदी कराल.

जानेवारी 22, 2026 — फेब्रुवारी 12, 2026 दशा केतु केतु भावक्रमांक 5

व्यक्तिगत आणि व्यावसायिक आघाडीवर अडथळे निर्माण होतील. कठीण परिस्थिती शांतपणे आणि चातुर्याने हाताळा कारण या कालावधीत घाई करून उपयोग नाही. प्रवास फार लाभदायी ठरणार नाही, त्यामुळे तो टाळावा. तुमच्या कुटुंबाकडून तुम्हाला पूर्ण सहकार्य मिळणार नाही. अपत्याशी निगडीत समस्या उद्भवतील. तुम्हाला नामोहरम करण्याची एकही संधी तुमचे शत्रू सोडणार नाहीत. थोडे धाडस दाखवा आणि तुमच्या योग्य निर्णयांना चिकटून राहा. पोटदुखीचा त्रास संभवतो.

फेब्रुवारी 12, 2026 — एप्रिल 14, 2026 दशा शुक्र शुक्र भावक्रमांक 8

नाण्याची दुसरी बाजू ही की, थोडेसे वाद आणि जवळच्या व्यक्तीशी विरहाची शक्यता आहे. महत्त्वाची गोष्ट ही की दुसर्याच्या भांडणात स्वतःला गोवून घेऊ नका. तुमच्या आरोग्याची आणि आर्थिक परिस्थिती धोक्यात असेल. तुम्ही एखाद्या घोटाळ्यात अडकले जाल आणि तुमच्या प्रतिमेला कदाचित थोडासा धक्का पोहोचेल. अचानक धनलाभाची शक्यता आहे पण खर्चही तेवढेच जास्त असतील, हेही नमूद करावे लागेल. या काळात जरा जास्तच धोका आहे, त्यामुळे सावधिगरी बाळगण्याची आवश्यकता आहे. प्रवासामुळे फार लाभ होणार नाही, त्यामुळे तो टाळावा.

एप्रिल 14, 2026 — मे 02, 2026 दशा सूर्य सूर्य भावक्रमांक 8

काही अनपेक्षित समस्या उद्भवतील. नातेवाईकांशी सलोख्याचे संबंध ठेवणे इष्ट राहील. आरोग्याची तपासणी करणे आवश्यक आहे. दीर्घकालीन आजार संभवतो. जोडीदार आणि मुलांच्या आरोग्याची काळजी घ्या. आर्थिक अव्यवहार करू नका. वस्तुस्थिती पडताळूनच उद्योगातील व्यवहार करा. शरीरावर पुळ्या येण्याची शक्यता.

।। वर्षफल (वार्षिक अनुमान) तपशील ।।

मे 02, 2026 — जून 02, 2026 दशा चंद्र चंद्र भावक्रमांक 12

पैशाचा अपव्यय होईल. प्रेम, रोमान्स आणि आयुष्याकडे पाहण्याचा तुमचा दृष्टिकोन हा फार प्रोत्साहनपर असणार नाही. आष्यात येणार्या विविध प्रसंगांना शांतपणे आणि समजूतदारपणे सामोरे जावे, हाच सल्ला आहे. कोणत्याही क्षेत्रात केवळ अंदाजावरून काम करू नका, त्यामुळे ते टाळणेच योग्य राहील. डोळे, प्लीहा या अवयवांशी निगडीत विकार उद्भवण्याची शक्यता आहे. त्याचप्रमाणे तुम्ही या काळात निरुत्साही असण्याची शक्यता आहे. असत्य वागणूकीमुळे तुम्ही स्वतःला संकटात टाकण्याची शक्यता आहे.

जून 02, 2026 — जून 23, 2026 दशा मंगळ मंगळ भावक्रमांक 8

व्यावसायिक आघाडीवर फार उत्साहवर्धक काही घडत नसले तरी त्याचा फार मनस्ताप करून घेणं टाळून थोडा आराम करायला शिका. अचानक भावनेच्या आहारी जाऊन किंवा अपेक्षाभंगामुळे नोकरी सोडण्याची इच्छा दूर करण्याचा प्रयत्न करा. निष्काळजीपणा किंवा दुर्लक्ष केल्यामुळे काही अडचणींचा सामना किंवा अडचणींची परिस्थिती उद्भवू शकते. अपघातासारखे काही प्रसंग ओढवू शकतात आणि आरोग्याची काळजी घेणेही गरजेचे आहे. कौटुंबिक आयुष्यात ताण—तणावर निर्माण होतील आणि लैंगिक विकार होणार नाहीत, याची काळजी घ्या.

जून 23, 2026 — ऑगस्ट 17, 2026 दशा राहु राहु भावक्रमांक 11

या काळात तुम्ही धाडसी व्हाल आणि एका वेगळ्या उंचीवर पोहोचाल. वैवाहिक आयुष्यात आनंद लाभेल. प्रभावशाली व्यक्तींशी असलेले तुमचे संबंध वृद्धिंगत होतील. तुमचे शत्रु तुम्हाला सामोरे येऊ शकणार नाहीत. दूरचा प्रवास फलदायी ठरेल. शृंगारासाठी हा अत्यंत अनुकूल कालावधी आहे. कोणत्याही वादामध्ये तुमचा वरचष्मा राहील. आरोग्याच्या कुरबुरी राहतील. कौटुंबिक संबंध सलोख्याचे राहतील. तुमच्या मुलांसोबतचे संबंध मात्र काहीसे तणावपूर्ण असतील.

ऑगस्ट 17, 2026 — ऑक्टोबर 04, 2026 दशा गुरु गुरु भावक्रमांक 4

तुमच्या कुटुंबियांशी अधिक सखोल नाते निर्माण व्हावे, अशी तुमची इच्छा आहे. नवनवीन कल्पनांचा शोध घेणे, तुम्ही तुमच्या पालकांकडून शिकला आहात. कुटुंबात एकोपा राहील. तुमची नीतीमूल्ये आणि आदर्श राहणीमानामुळे तुम्हाला अनेक आशीर्वाद मिळतात. तुमच्या या उर्जेमुळे तुमचा जोडीदार आणि नातेवाईक यांना काकणभर अधिक सुख मिळते. या काळात तुमच्या आयुष्यात होणारे बदल हे जाणवणारे आणि दीर्घकाळापर्यंत टिकणारे असतील. तुम्ही तुमची एक गाडी विकून दुसरी घ्याल किंवा गाडी विकून तुम्हाला फायदा होईल.

ऑक्टोबर 04, 2026 — डिसेंबर 01, 2026 दशा शनी शनी भावक्रमांक 12

हा तुमच्यासाठी फार समाधानकारक काळ नाही. अचानक आर्थिक नुकसान संभवते. याचिका किंवा वादामुळे आर्थिक तोटा सहन करावा लागेल. प्रयत्न अयशस्वी ठरल्यामुळे तुम्ही त्रासिक व्हाल. कामाचा दबाव खूप असल्यामुळे प्रचंड कष्ट करावे लागतील. कुटुंबातही तणावपूर्ण वातावरण असेल. हा कालावधी फार अनुकूल नसल्याने व्यवसायात फार धोका पत्करू नका. तुमचे शत्रू तुमची प्रतिमा मिलन करण्याचा प्रयत्न करतील. आर्थिक नुकसान संभवते.

।। विमशोत्तरी महादशा फल (दशा फल) ।।

मंगळ महादशा फल (जन्म पासून ऑक्टोबर 24,2022) मंगळ तुला आपल्या सप्तम घरात आहेः

या वर्षी केवळ एक घटक टाळा तो म्हणजे अति—आत्मविश्वास. घरावर आणि कुटुंबातील सदस्यांच्या आरोग्यविषयक तक्रांरींवर जरा अधिक खर्च होईल. कौटुंबिक नाती जपण्याकडे कल असू दे. तुमचे कच्चे दुवे शोधून त्यांचा गैरवापर करण्याचा प्रयत्न होईल, त्यामुळे तुम्हाला मनस्ताप होण्याची शक्यता आहे. तुमच्या जोडीदारामुळे तुमच्या आयुष्यात तणाव निर्माण होईल किंवा तुमच्या प्रेमभावनांना ठेच पोहोचण्याची शक्यता आहे. तुमचा प्रवास व्यर्थ जाईल आणि त्याने नुकसान होण्यीचच शक्यता आहे.

राहु महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2022 पासून ऑक्टोबर 24,2040) राहु वृषभ आपल्या 2दक घरात आहेः

नवीन प्रकल्प किंवा मोठी गुंतवणूक टाळावी. व्यावसायिक म्हणून काम करत असाल तर हे वर्ष साधारणच राहील. नियमित अडथळे जाणवतील आणि साधारण वाढ होईल. निश्चित अशा प्रगतीसाठी वाट पाहावी लागेल. अस्थैर्य आणि संशयास्पद समय आहे. कोणताही बदल करू नका कारण तो तुम्हाला घातक ठरेल. या काळात तुमची पत काहीशी घसरेल. घरचा विचार करता काही असुरक्षितता जाणवेल.

गुरु महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2040 पासून ऑक्टोबर 24,2056) गुरु कुंभ आपल्या एकादश घरात आहे:

वेळ आणि दैव तुमच्या बाजूने असेल तुमच्या कार्याला प्रसिद्धी मिळवून देईल. ही अशी वेळ आहे की तुम्हाला तुमच्या कामाचे श्रेय मिळालेच पाहिजे आणि इतरही तुमच्याकडून प्रेरणा घेतील. तुमच्या व्यक्तिगत संबंधांमध्ये वृद्धी होईल, हे वेगळे सांगण्याची गरज नाही. मुलांकडून तुम्हाला आनंद मिळेल. प्रवास घडेल आणि अनेकांना तुमचा सहवास हवा असेल. या काळात तुम्ही ध्यान कराल आणि मानवी अस्तित्वाविषयी जाणून घेण्याचा प्रयत्न कराल. एखादे मौल्यवान संपत्ती तुम्ही विकत घ्याल. एकूणच हा काळ तुमच्यासाठी अनुकूल आणि चांगला मोबदला देणारा असेल.

शनी महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2056 पासून ऑक्टोबर 24,2075) शनी मकर आपल्या दशम घरात आहे:

या कालावधीत तुमचे एकूणच वर्तन साधारण राहील. तुम्ही कामातून मिळणार्या फायद्यापेक्षा कामाकडे अधिक लक्ष द्या. या काळात काही समस्या आणि काही आरोग्याचे मुद्दे उपस्थित होतील, ज्यांचा तुमच्या कामावर परिणाम होईल. आव्हाने आणि नव्या घटकांना काळजीपूर्वक हाताळणे गरजेचे आहे. नवीन प्रकल्प हाती घेणे पूर्णपणे टाळा. तुमचा जुळवून घेण्याचा स्वभाव आणि स्पर्धा यामुळे या काळात तुमच्यासमोर अडथळे निर्माण होतील. जमीन किंवा यंत्राची खरेदी काही काळ पूढे ढकला.

बुध महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2075 पासून ऑक्टोबर 24,2092) बुध वृश्चिक आपल्या अष्टम घरात आहेः

असे असले तरी तुम्ही तुमच्या नशीबावर फार विसंबून राहू नका. तुम्ही तुमचा पैसा बरेच ठिकाणी अडकवल्यामुळे रोख रकमेची कमतरता भासू शकेल. आरोग्याच्या तक्रारी तुम्हाला अस्वस्थ करतील. विशेषतः कफ, निरुत्साह, डोळ्यांचे विकार आणि विषाणूंमुळे होणार्या तापाने तुम्ही त्रासलेले असाल. नातेवाईक, मित्र आणि सहकार्यांशी वर्तणूक करताना सावधानता बाळगा. प्रवास फलदायी होणारा नसल्यानेच तो टाळावा. लहानश्या मुद्दावरून वाद होतील. निष्काळजीपणा आणि दुर्लक्ष यामुळे या काळात अडचणी निर्माण होतील. प्रवास टाळावा.

।। विमशोत्तरी महादशा फल (दशा फल) ।।

केतु महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2092 पासून ऑक्टोबर 24,2099) केतु वृश्चिक आपल्या अष्टम घरात आहे:

या काळात तुम्ही धार्मिक कार्य कराल आणि तुमची वागणूक चांगली असेल. तुम्ही धर्म आणि अध्यात्म यात रुची घ्याल. या वर्षी खासगी आणि व्यावसायिक आयुष्यात तुम्हाला भागिदारी लाभदायी ठरेल. महत्त्वाचे म्हणजे इतकी वर्षे तुम्ही ज्या आयुष्य बदलून टाकणार्या बदलाची वाट पाहात होतात, तो बदल आता घडणार आहे. या काळात तुम्हाला अधिकार प्राप्त होईल. कामाच्या ठिकाणी, मित्रांसमवेत आणि कुटुंबियांशी चांगले संबंध कसे ठेवावेत याबाबत तुम्ही नवीन धडे घेत आहात. कौटुंबिक वर्तुळात आनंद असेल.

शुक्र महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2099 पासून ऑक्टोबर 24,2119) शुक्र धनु आपल्या नवम घरात आहेः

एखाद्या तीर्थक्षेत्राला भेट द्याल. तुमचं वागणं रोमँटिक आणि प्रभावशाली असेल आणि त्यामुळे तुम्हाला तुमच्या ओळखीच्या माणसांशी मित्रत्वाचे संबंध प्रस्थापित करण्यास आणि ज्यांना तुम्ही ओळखत नाही, अशांशी संपर्क साधण्यास मदत होईल. तुमची थोडीफार इच्छापूर्ती होईल. म्हणजेच एखाद्या व्यवहारातून तुम्हाला आर्थीक लाभ होईल अथवा कामच्या ठिकाणी बढती मिळेल. वाहनखरेदी अथवा मालमत्तेची खरेदी कराल. एकूणच हा काळ अत्यंत अनुकूल असा आहे.

सूर्य महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2119 पासून ऑक्टोबर 24,2125) सूर्य वृश्चिक आपल्या अष्टम घरात आहे:

काही अनपेक्षित समस्या उद्भवतील. नातेवाईकांशी सलोख्याचे संबंध ठेवणे इष्ट राहील. आरोग्याची तपासणी करणे आवश्यक आहे. दीर्घकालीन आजार संभवतो. जोडीदार आणि मुलांच्या आरोग्याची काळजी घ्या. आर्थिक अव्यवहार करू नका. वस्तुस्थिती पडताळूनच उद्योगातील व्यवहार करा. शरीरावर पुळ्या येण्याची शक्यता.

चंद्र महादशा फल (ऑक्टोबर 24,2125 पासून ऑक्टोबर 24,2135) चंद्र तुला आपल्या सप्तम घरात आहे:

तुमच्या कारकिर्दीमध्ये एक पुढचे पाऊल टाकण्यासाठी आणि मोठी झेप घेण्यासाठी हा काळ अत्यंत अनुकूल आहे. भागिदार किंवा सहकार्यांकडून तुम्हाला लाभ मिळण्याची शक्यता आहे. जोडीदाराकडून तुम्हाला आनंदाचे क्षण मिळतील. प्रेम आणि रोमान्स या दोन्ही प्रकारात सुख लाभेल. व्यवहार आणि परदेशी प्रवासातून लाभ होईळ. आरोग्याच्या तक्रारीमुळे मनःशांती ढळेल. रोजच्या जीवनात स्वयंशिस्त, स्वयंनियंत्रण अंगी बाणवणे तुम्हाला फायदेशीर ठरेल. ताप आणि संधीवातापासून सावध राहा आणि काळजी घ्या. या काळात तुमच्या जोडीदाराची प्रकृती अस्वस्थ होण्याची शक्यता आहे.

।। योगिनी दशा ।।

| मं 1 | वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 27.12.20 |
| अंत | 17. 1.22 |
| मं | 27.12.20 |
| पिं | 16. 1.21 |
| ध | 16. 2.21 |
| भ्र | 26. 3.21 |
| भद्रि | 16. 5.21 |
| उल | 16. 7.21 |
| सि | 26. 9.21 |
| सं | 17. 1.22 |

| पिं : | २ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.22 |
| अंत | 17. 1.24 |
| पिं | 26. 1.22 |
| ध | 26. 3.22 |
| भ्र | 15. 6.22 |
| भद्रि | 25. 9.22 |
| उल | 25. 1.23 |
| सि | 14. 6.23 |
| सं | 24.11.23 |
| मं | 17. 1.24 |

| ध 3 | । वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.24 |
| अंत | 17. 1.27 |
| ध | 14. 3.24 |
| भ्र | 14. 7.24 |
| भद्रि | 14.12.24 |
| उल | 14. 6.25 |
| सि | 13. 1.26 |
| सं | 13. 9.26 |
| मं | 13.10.26 |
| पिं | 17. 1.27 |

| भ्र 4 वर्ष | | |
|------------|----------|--|
| आरम्भ | 17. 1.27 | |
| अंत | 17. 1.31 | |
| भ्र | 23. 5.27 | |
| भद्रि | 13.12.27 | |
| उल | 13. 8.28 | |
| सि | 23. 5.29 | |
| सं | 12. 4.30 | |
| मं | 22. 5.30 | |
| पिं | 11. 8.30 | |
| ध | 17. 1.31 | |

| भद्रि | 5 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.31 |
| अंत | 17. 1.36 |
| भद्रि | 21. 8.31 |
| उल | 21. 6.32 |
| सि | 10. 6.33 |
| सं | 20. 7.34 |
| मं | 9. 9.34 |
| पिं | 19.12.34 |
| ध | 19. 5.35 |
| भ्र | 17. 1.36 |

| उल | 6 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.36 |
| अंत | 17. 1.42 |
| उल | 9.12.36 |
| सि | 8. 2.38 |
| सं | 7. 6.39 |
| मं | 7. 8.39 |
| पिं | 7.12.39 |
| ध | 7. 6.40 |
| भ्र | 7. 2.41 |
| भद्रि | 17. 1.42 |

| सि | ७ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.42 |
| अंत | 17. 1.49 |
| सि | 17. 4.43 |
| सं | 6.11.44 |
| मं | 16. 1.45 |
| पिं | 5. 6.45 |
| ध | 5. 1.46 |
| भ्र | 15.10.46 |
| भद्रि | 5.10.47 |
| उल | 17. 1.49 |

| | • |
|-------|----------|
| सं १ | 3 वर्ष |
| आरम्भ | 17. 1.49 |
| अंत | 17. 1.57 |
| सं | 15. 9.50 |
| मं | 5.12.50 |
| पिं | 15. 5.51 |
| ध | 15. 1.52 |
| भ्र | 5.12.52 |
| भद्रि | 15. 1.54 |
| उल | 15. 5.55 |
| सि | 17. 1.57 |

| मं 1 वर्ष | |
|-----------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.57 |
| अंत | 17. 1.58 |
| मं | 15.12.56 |
| पिं | 4. 1.57 |
| ध | 4. 2.57 |
| भ्र | 14. 3.57 |
| भद्रि | 4. 5.57 |
| उल | 4. 7.57 |
| सि | 14. 9.57 |
| सं | 17. 1.58 |

| पिं : | २ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.58 |
| अंत | 17. 1.60 |
| पिं | 14. 1.58 |
| ध | 14. 3.58 |
| भ्र | 3. 6.58 |
| भद्रि | 13. 9.58 |
| उल | 13. 1.59 |
| सि | 2. 6.59 |
| सं | 12.11.59 |
| मं | 17. 1.60 |

| ध 3 | । वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.60 |
| अंत | 17. 1.63 |
| ध | 2. 3.60 |
| भ्र | 2. 7.60 |
| भद्रि | 2.12.60 |
| उल | 2. 6.61 |
| सि | 1. 1.62 |
| सं | 1. 9.62 |
| मं | 1.10.62 |
| पिं | 17. 1.63 |

| भ्र 4 | वर्ष |
|--------------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.63 |
| अंत | 17. 1.67 |
| भ्र | 11. 5.63 |
| भद्रि | 1.12.63 |
| उल | 1. 8.64 |
| सि | 11. 5.65 |
| सं | 31. 3.66 |
| मं | 10. 5.66 |
| पिं | 30. 7.66 |
| ध | 17. 1.67 |

।। योगिनी दशा ।।

| भद्रि | 5 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.67 |
| अंत | 17. 1.72 |
| भद्रि | 9. 8.67 |
| उल | 9. 6.68 |
| सि | 29. 5.69 |
| सं | 9. 7.70 |
| मं | 29. 8.70 |
| पिं | 9.12.70 |
| ध | 9. 5.71 |
| भ्र | 17. 1.72 |

| उल | 6 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.72 |
| अंत | 17. 1.78 |
| उल | 29.11.72 |
| सि | 28. 1.74 |
| सं | 28. 5.75 |
| मं | 28. 7.75 |
| पिं | 28.11.75 |
| ध | 28. 5.76 |
| भ्र | 28. 1.77 |
| भद्रि | 17. 1.78 |

| सि | ७ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.78 |
| अंत | 17. 1.85 |
| सि | 7. 4.79 |
| सं | 27.10.80 |
| मं | 6. 1.81 |
| पिं | 26. 5.81 |
| ध | 26.12.81 |
| भ्र | 6.10.82 |
| भद्रि | 26. 9.83 |
| उल | 17. 1.85 |

| सं १ | 3 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.85 |
| अंत | 17. 1.93 |
| सं | 5. 9.86 |
| मं | 25.11.86 |
| पिं | 5. 5.87 |
| ध | 5. 1.88 |
| भ्र | 25.11.88 |
| भद्रि | 4. 1.90 |
| उल | 4. 5.91 |
| सि | 17. 1.93 |

| मं 1 | वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.93 |
| अंत | 17. 1.94 |
| मं | 4.12.92 |
| पिं | 24.12.92 |
| ध | 24. 1.93 |
| भ्र | 6. 3.93 |
| भद्रि | 26. 4.93 |
| उल | 26. 6.93 |
| सि | 5. 9.93 |
| सं | 17. 1.94 |

| पिं : | २ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.94 |
| अंत | 17. 1.96 |
| पिं | 4. 1.94 |
| ध | 4. 3.94 |
| भ्र | 24. 5.94 |
| भद्रि | 3. 9.94 |
| उल | 3. 1.95 |
| सि | 23. 5.95 |
| सं | 2.11.95 |
| मं | 17. 1.96 |

| ध 3 वर्ष | | |
|----------|----------|--|
| आरम्भ | 17. 1.96 | |
| अंत | 17. 1.99 | |
| ध | 22. 2.96 | |
| भ्र | 22. 6.96 | |
| भद्रि | 22.11.96 | |
| उल | 22. 5.97 | |
| सि | 22.12.97 | |
| सं | 22. 8.98 | |
| मं | 22. 9.98 | |
| पिं | 17. 1.99 | |

| भ्र 4 वर्ष | | |
|------------|----------|--|
| आरम्भ | 17. 1.99 | |
| अंत | 17. 1.03 | |
| भ्र | 2. 5.99 | |
| भद्रि | 22.11.99 | |
| उल | 22. 7.00 | |
| सि | 2. 5.01 | |
| सं | 22. 3.02 | |
| मं | 2. 5.02 | |
| पिं | 22. 7.02 | |
| ध | 17. 1.03 | |

| भद्रि | 5 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.03 |
| अंत | 17. 1.08 |
| भद्रि | 1. 8.03 |
| उल | 1. 6.04 |
| सि | 21. 5.05 |
| सं | 1. 7.06 |
| मं | 21. 8.06 |
| पिं | 1.12.06 |
| ध | 1. 5.07 |
| भ्र | 17. 1.08 |

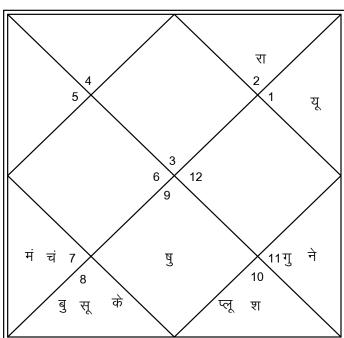
| उल | 6 वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.08 |
| अंत | 17. 1.14 |
| उल | 21.11.08 |
| सि | 20. 1.10 |
| सं | 20. 5.11 |
| मं | 20. 7.11 |
| पिं | 20.11.11 |
| ध | 20. 5.12 |
| भ्र | 20. 1.13 |
| भद्रि | 17. 1.14 |

| सि | ७ वर्ष |
|-------|----------|
| आरम्भ | 17. 1.14 |
| अंत | 17. 1.21 |
| सि | 30. 3.15 |
| सं | 20.10.16 |
| मं | 30.12.16 |
| पिं | 20. 5.17 |
| ध | 20.12.17 |
| भ्र | 30. 9.18 |
| भद्रि | 19. 9.19 |
| उल | 17. 1.21 |

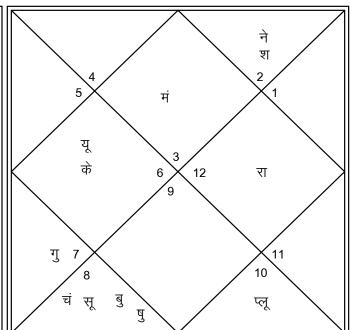
| सं ८ वर्ष | | | |
|-----------|----------|--|--|
| 71 (| 2 44 | | |
| आरम्भ | 17. 1.21 | | |
| अंत | 17. 1.29 | | |
| सं | 29. 8.22 | | |
| मं | 18.11.22 | | |
| पिं | 28. 4.23 | | |
| ध | 28.12.23 | | |
| भ्र | 17.11.24 | | |
| भद्रि | 27.12.25 | | |
| उल | 26. 4.27 | | |
| सि | 17. 1.29 | | |

।। जैमिनी पद्धति कारकांश स्वांश कुण्डली ।।

कारकांश चक्र



स्वांश चक्र



कारक

| कारक | स्थिर | चर |
|--------|-------|-------|
| आत्मा | सूर्य | मंगल |
| अमात्य | बुध | शुक्र |
| भ्रातृ | मंगल | बुध |
| मातृं | चंद्र | सूर्य |
| पुत्र | गुरू | शनि |
| ग्नाती | शनि | चंद्र |
| दारा | शुक्र | गुरू |

अवस्था

| ग्रह | जागृत | बलादि | दीप्तादी |
|-------|---------|-------|----------|
| सूर्य | स्वप्न | युवा | खल |
| चंद्र | जाग्रत | बाल | शान्त |
| मंगल | सुसुप्त | मृत | स्वत |
| बुध | स्वप्न | युवा | शान्त |
| गुरू | जाग्रत | बाल | स्वत |
| शुक्र | सुसुप्त | मृत | मुदित |
| शनि | स्वप्न | युवा | मुदित |

।। चर दशा ।।

चर महादशा

| मेष ०६ वर्ष | 1.12.21 | 1.12.27 |
|---------------|---------|---------|
| वृष ०७ वर्ष | 1.12.27 | 1.12.34 |
| मिथुन ०५ वर्ष | 1.12.34 | 1.12.39 |

| तुला 02 वर्ष | 1.12.67 | 1.12.69 |
|-----------------|---------|---------|
| वृश्चिक ०० वर्ष | 1.12.69 | 1.12.69 |
| धनु ०२ वर्ष | 1.12.69 | 1.12.71 |

| कर्क 09 वर्ष | 1.12.39 | 1.12.48 |
|---------------|---------|---------|
| सिंह 09 वर्ष | 1.12.48 | 1.12.57 |
| कन्या १० वर्ष | 1.12.57 | 1.12.67 |

| मकर 12 वर्ष | 1.12.71 | 1.12.83 |
|--------------|---------|---------|
| कुंभ ०९ वर्ष | 1.12.83 | 1.12.92 |
| मीन 01 वर्ष | 1.12.92 | 1.12.93 |

चर अंतर्दशा

| मेष ६ वर्ष | | |
|------------|---------|---------|
| वृष | 1.12.21 | 1. 6.22 |
| मिथुन | 1.6.22 | 1.12.22 |
| कर्क | 1.12.22 | 1. 6.23 |
| सिंह | 1.6.23 | 1.12.23 |
| कन्या | 1.12.23 | 1. 6.24 |
| तुला | 1.6.24 | 1.12.24 |
| वृश्चिक | 1.12.24 | 1. 6.25 |
| धनु | 1.6.25 | 1.12.25 |
| मकर | 1.12.25 | 1. 6.26 |
| कुंभ | 1.6.26 | 1.12.26 |
| मीन | 1.12.26 | 1. 6.27 |
| मेष | 1.6.27 | 1.12.27 |

| वृष ७ वर्ष | | |
|------------|---------|---------|
| मेष | 1.12.27 | 1. 7.28 |
| मीन | 1.7.28 | 1. 2.29 |
| कुंभ | 1.2.29 | 1. 9.29 |
| मकर | 1.9.29 | 1. 4.30 |
| धनु | 1.4.30 | 1.11.30 |
| वृश्चिक | 1.11.30 | 1. 6.31 |
| तुला | 1.6.31 | 1. 1.32 |
| कन्या | 1.1.32 | 1. 8.32 |
| सिंह | 1.8.32 | 1. 3.33 |
| कर्क | 1.3.33 | 1.10.33 |
| मिथुन | 1.10.33 | 1. 5.34 |
| वृष | 1.5.34 | 1.12.34 |

| मिथुन 5 वर्ष | | |
|--------------|---------|---------|
| वृष | 1.12.34 | 1. 5.35 |
| मेष | 1.5.35 | 1.10.35 |
| मीन | 1.10.35 | 1. 3.36 |
| कुंभ | 1.3.36 | 1. 8.36 |
| मकर | 1.8.36 | 1. 1.37 |
| धनु | 1.1.37 | 1. 6.37 |
| वृश्चिक | 1.6.37 | 1.11.37 |
| तुला | 1.11.37 | 1. 4.38 |
| कन्या | 1.4.38 | 1. 9.38 |
| सिंह | 1.9.38 | 1. 2.39 |
| कर्क | 1.2.39 | 1. 7.39 |
| मिथुन | 1.7.39 | 1.12.39 |



।। चर दशा ।।

| कर्क ९ वर्ष | | |
|-------------|---------|---------|
| मिथुन | 1.12.39 | 1. 9.40 |
| वृष | 1.9.40 | 1. 6.41 |
| मेष | 1.6.41 | 1. 3.42 |
| मीन | 1.3.42 | 1.12.42 |
| कुंभ | 1.12.42 | 1. 9.43 |
| मकर | 1.9.43 | 1. 6.44 |
| धनु | 1.6.44 | 1. 3.45 |
| वृश्चिक | 1.3.45 | 1.12.45 |
| तुला | 1.12.45 | 1. 9.46 |
| कन्या | 1.9.46 | 1. 6.47 |
| सिंह | 1.6.47 | 1. 3.48 |
| कर्क | 1.3.48 | 1.12.48 |

| 2- - - | | |
|------------------------------|--|--|
| ।सह ३ वव | | |
| 1.12.48 | 1. 9.49 | |
| 1.9.49 | 1. 6.50 | |
| 1.6.50 | 1. 3.51 | |
| 1.3.51 | 1.12.51 | |
| 1.12.51 | 1. 9.52 | |
| 1.9.52 | 1. 6.53 | |
| 1.6.53 | 1. 3.54 | |
| 1.3.54 | 1.12.54 | |
| 1.12.54 | 1. 9.55 | |
| 1.9.55 | 1. 6.56 | |
| 1.6.56 | 1. 3.57 | |
| 1.3.57 | 1.12.57 | |
| | 1.9.49 1.6.50 1.3.51 1.12.51 1.9.52 1.6.53 1.3.54 1.12.54 1.9.55 1.6.56 | |

| कन्या १० वर्ष | | |
|---------------|---------|---------|
| तुला | 1.12.57 | 1.10.58 |
| वृश्चिक | 1.10.58 | 1. 8.59 |
| धनु | 1.8.59 | 1. 6.60 |
| मकर | 1.6.60 | 1. 4.61 |
| कुंभ | 1.4.61 | 1. 2.62 |
| मीन | 1.2.62 | 1.12.62 |
| मेष | 1.12.62 | 1.10.63 |
| वृष | 1.10.63 | 1. 8.64 |
| मिथुन | 1.8.64 | 1. 6.65 |
| कर्क | 1.6.65 | 1. 4.66 |
| सिंह | 1.4.66 | 1. 2.67 |
| कन्या | 1.2.67 | 1.12.67 |

| तुला 2 वर्ष | | |
|-------------|---------|---------|
| वृश्चिक | 1.12.67 | 1. 2.68 |
| धनु | 1.2.68 | 1. 4.68 |
| मकर | 1.4.68 | 1. 6.68 |
| कुंभ | 1.6.68 | 1. 8.68 |
| मीन | 1.8.68 | 1.10.68 |
| मेष | 1.10.68 | 1.12.68 |
| वृष | 1.12.68 | 1. 2.69 |
| मिथुन | 1.2.69 | 1. 4.69 |
| कर्क | 1.4.69 | 1. 6.69 |
| सिंह | 1.6.69 | 1. 8.69 |
| कन्या | 1.8.69 | 1.10.69 |
| तुला | 1.10.69 | 1.12.69 |

| वृश्चिक 0 वर्ष | | |
|----------------|---------|---------|
| तुला | 1.12.69 | 1.12.69 |
| कन्या | 1.12.69 | 1.12.69 |
| सिंह | 1.12.69 | 1.12.69 |
| कर्क | 1.12.69 | 1.12.69 |
| मिथुन | 1.12.69 | 1.12.69 |
| वृष | 1.12.69 | 1.12.69 |
| मेष | 1.12.69 | 1.12.69 |
| मीन | 1.12.69 | 1.12.69 |
| कुंभ | 1.12.69 | 1.12.69 |
| मकर | 1.12.69 | 1.12.69 |
| धनु | 1.12.69 | 1.12.69 |
| वृश्चिक | 1.12.69 | 1.12.69 |

| धनु २ वर्ष | | |
|------------|---------|---------|
| वृश्चिक | 1.12.69 | 1. 2.70 |
| तुला | 1.2.70 | 1. 4.70 |
| कन्या | 1.4.70 | 1. 6.70 |
| सिंह | 1.6.70 | 1. 8.70 |
| कर्क | 1.8.70 | 1.10.70 |
| मिथुन | 1.10.70 | 1.12.70 |
| वृष | 1.12.70 | 1. 2.71 |
| मेष | 1.2.71 | 1. 4.71 |
| मीन | 1.4.71 | 1. 6.71 |
| कुंभ | 1.6.71 | 1. 8.71 |
| मकर | 1.8.71 | 1.10.71 |
| धनु | 1.10.71 | 1.12.71 |

| मकर 12 वर्ष | | |
|-------------|---------|---------|
| धनु | 1.12.71 | 1.12.72 |
| वृश्चिक | 1.12.72 | 1.12.73 |
| तुला | 1.12.73 | 1.12.74 |
| कन्या | 1.12.74 | 1.12.75 |
| सिंह | 1.12.75 | 1.12.76 |
| कर्क | 1.12.76 | 1.12.77 |
| मिथुन | 1.12.77 | 1.12.78 |
| वृष | 1.12.78 | 1.12.79 |
| मेष | 1.12.79 | 1.12.80 |
| मीन | 1.12.80 | 1.12.81 |
| कुंभ | 1.12.81 | 1.12.82 |
| मकर | 1.12.82 | 1.12.83 |

| कुंभ ९ वर्ष | | | | | | | |
|-------------|---------|---------|--|--|--|--|--|
| मीन | 1.12.83 | 1. 9.84 | | | | | |
| मेष | 1.9.84 | 1. 6.85 | | | | | |
| वृष | 1.6.85 | 1. 3.86 | | | | | |
| मिथुन | 1.3.86 | 1.12.86 | | | | | |
| कर्क | 1.12.86 | 1. 9.87 | | | | | |
| सिंह | 1.9.87 | 1. 6.88 | | | | | |
| कन्या | 1.6.88 | 1. 3.89 | | | | | |
| तुला | 1.3.89 | 1.12.89 | | | | | |
| वृश्चिक | 1.12.89 | 1. 9.90 | | | | | |
| धनु | 1.9.90 | 1. 6.91 | | | | | |
| मकर | 1.6.91 | 1. 3.92 | | | | | |
| कुंभ | 1.3.92 | 1.12.92 | | | | | |

| मीन 1 वर्ष | | | | | | | |
|------------|---------|---------|--|--|--|--|--|
| मेष | 1.12.92 | 1. 1.93 | | | | | |
| वृष | 1.1.93 | 1. 2.93 | | | | | |
| मिथुन | 1.2.93 | 1. 3.93 | | | | | |
| कर्क | 1.3.93 | 1. 4.93 | | | | | |
| सिंह | 1.4.93 | 1. 5.93 | | | | | |
| कन्या | 1.5.93 | 1. 6.93 | | | | | |
| तुला | 1.6.93 | 1. 7.93 | | | | | |
| वृश्चिक | 1.7.93 | 1. 8.93 | | | | | |
| धनु | 1.8.93 | 1. 9.93 | | | | | |
| मकर | 1.9.93 | 1.10.93 | | | | | |
| कुंभ | 1.10.93 | 1.11.93 | | | | | |
| मीन | 1.11.93 | 1.12.93 | | | | | |

।। आजच्या गोचर (17–3–2025)।।

सूर्य मीनराशी मध्ये आपल्या बाराव्या घरात आहे:

आक्रमक होऊ नका कारण आक्रमकपणामुळे तुम्ही अडचणीत सापडू शकता. मित्रांसोबत वाद, भांडणे होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे त्यांच्याशी सलोख्याचे संबंध ठेवण्याचा प्रयत्न करा, तसे नाही झाले तर तुमच्या नात्यात दुरावा निर्माण होऊ शकतो. आर्थिक चढ—उतार संभवतात. परिवारातील एकोपा आणि सामंजजस्यात अभाव होण्याची शक्यता. आई व पत्नी यांच्यात वाद संभवतात. आरोग्याची काळजी घ्या. डोकेदुखी, डोळ्याचे विकार, पोटाचे विकार, पायात सूज येणे या आजारांबाबर ताबडतोब उपचार करा.

चंद्र तुळराशी मध्ये आपल्या सातव्या घरात आहेः

तुमच्या कारकिर्दीमध्ये एक पुढचे पाऊल टाकण्यासाठी आणि मोठी झेप घेण्यासाठी हा काळ अत्यंत अनुकूल आहे. भागिदार किंवा सहकार्यांकडून तुम्हाला लाभ मिळण्याची शक्यता आहे. जोडीदाराकडून तुम्हाला आनंदाचे क्षण मिळतील. प्रेम आणि रोमान्स या दोन्ही प्रकारात सुख लाभेल. व्यवहार आणि परदेशी प्रवासातून लाभ होईळ. आरोग्याच्या तक्रारीमुळे मनःशांती ढळेल. रोजच्या जीवनात स्वयंशिस्त, स्वयंनियंत्रण अंगी बाणवणे तुम्हाला फायदेशीर ठरेल. ताप आणि संधीवातापासून सावध राहा आणि काळजी घ्या. या काळात तुमच्या जोडीदाराची प्रकृती अस्वस्थ होण्याची शक्यता आहे.

मंगळ मिथुनराशी मध्ये आपल्या तिसर्या घरात आहेः

या कालावधीत शारीरिक आणि मानसिक दृष्ट्या धांडसी असाल. तुमच्या नातेवाईकांसाठी विशेषतः जोडीदारांसाठी हा अनुकूल कालावधी आहे. तुमच्या करिअरमध्ये तुम्ही प्रयत्न करू शकता कारण यश निश्चित आहे. भौतिक वस्तुंचा तुमच्या आयुष्यात समावेश होईल. तुमचे विरोधक यात अडथळे निर्माण करू शकणार नाहीत. या काळात तुमच्या इच्छा पूर्ण होतील. तुमचा विजय निश्चित आहे.



।। आजच्या गोचर (17–3–2025)।।

बुध मीनराशी मध्ये आपल्या बाराव्या घरात आहे:

हा तुमच्यासाठी फार समाधानकारक काळ नाही. तुम्हाला कदाचित अचानक आर्थिक नुकसान सोसावे लागेल. प्रयत्नांमध्ये अपयश आल्यामुळे तुम्ही त्रासिक व्हाल. काम प्रचंड असल्यामुळे तुम्हाला खूप कष्ट करावे लागतील. कौटुंबिक आयुष्यातही तणाव निर्माण होईल. उद्योगामध्येही फार धोका पत्करू नका, कारण हा कालावधी तुम्हाला फार अनुकूल नाही. तुमचे विरोधक तुमची प्रतिमा मलीन करण्याचा प्रयत्न करतील. तुम्ही अनावश्यक खर्च कराल. आरोग्याच्या कुरबुरी राहतील. वृद्धांना सर्दी आणि सुस्तपणा जाणवण्याचा संभव आहे.

गुरु वृषभराशी मध्ये आपल्या दुसर्या घरात आहेः

तुम्ही तुमच्यात असलेल्या संगीताच्या गुणांचा आनंद घेऊ शकाल. त्याचप्रमाणे एखादी नवी सांगीतिक रचना सुचण्याचीही शक्यता आहे. कामाशी आणि समाजाशी संबंधित तुमची तत्वे व्यक्त करण्यात तुम्ही यशस्वी व्हाल. तुमच्या कल्पना प्रत्यक्षात उत्तरवाल तेव्हा त्यातून आर्थिक लाभ होईल. तुमच्याकडे आर्थिक आवक निश्चितच वाढेल आणि त्यामुळे व्यक्तिगत विश्वास, स्वप्न आणि तत्वे यावर निश्चितच प्रभाव पडेल. तुमचे शत्रू तुमच्या वरचढ होऊ शकणार नाहीत. एकूणातच वातावरण आनंदी राहील. तुमच्या कुटुंबातील सदस्यांमध्ये वाढ होईल.

शुक्र मीनराशी मध्ये आपल्या बाराव्या घरात आहेः

यां काळात तुम्ही चौनीच्या वस्तु आणि ऐषआरामात दिवस घालवाल, पण ते व्यवस्थित आहे अथवा नाही यांची काळजी घ्या. तुम्हाला प्रेमप्रकरणात अपेक्षाभंग आणि कौटुंबिक आुष्यात अडथळ्यांना सामोरे जावे लागेल. तुमचे विरोधक तुम्हाला या ना त्या प्रकारे नामोहरम करण्याचा प्रयत्न करतील. त्यामुळे खासगी व्यावसायिक पातळीवर कोणाशीही व्यवहार करताना जपून वागा. कुटुंबातील सदस्याच्या आजारपणामुळे तुम्ही चिंताग्रस्त व्हाल. आर्थिक दृष्ट्या हा वाईट काळ नसला तरी खर्चावर नियंत्रण ठेवा. तुमच्या स्वतःच्या प्रकृतीला जपा.



।। आजच्या गोचर (17–3–2025)।।

शनी कुंभराशी मध्ये आपल्या अकरावा घरात आहे:

या काळात शारीरिक आणि मानसिक दृष्ट्या तुम्ही धाडसी निर्णय घ्याल. तुमच्या नातेवाईकांसाठी हा चांगला काळ आहे. तुमच्या करिअरमध्ये नवीन प्रयत्न करा. यश निश्चित आहे. काही भौतिक सुखाच्या वस्तू विकत घ्याल. तुम्ही जमीन आणि यंत्रांची खरेदी कराल. उद्योग आणि व्यवसायातून फायदा मिळेल. तुमचे शत्रूंचे तुमच्यासमोर काही चालणार नाही. दूरच्या प्रदेशातील लोकांच्या ओळखी होतील. प्रेमप्रकरणाचा विचार करता हा कालावधी अनुकूल आहे. कुटुंबियांकडून पूर्ण सहकार्य मिळेल.

राहु मीनराशी मध्ये आपल्या बाराव्या घरात आहेः

या काळात जागा आणि नोकरी दोन्ही बदलण्याची शक्यता आहे. मानसिक ताणामुळे तुम्हाला त्रास सहन करावा लागेल. तुमची मनःशांती ढळेल. कुटुंबातील सदस्यांची वागणूकही थोडीशी वेगळी असेल. मोठी गुंतवणूक करू नका, कारण ती फार लाभदायी असणार नाही. तुमचे मित्र आणि सहकारी त्यांची आश्वासने पूर्ण करणार नाहीत. धूर्त मित्रांपासून सावध राहा कारण कदाचित त्यांच्यापासून तुमच्या प्रतिमेला धक्का पाहोचू शकतो. कुटुंबियांच्या आरोग्याची काळजी घ्या. त्यामुळे प्रवास करून का, शारीरिक आजार होण्याची शक्यता आहे.

केतु कन्याराशी मध्ये आपल्या सहाव्या घरात आहे:

खासगी आणि व्यावसायिक आयुष्यातील भागिदार्या फलदायी ठरतील. महत्त्वाचे म्हणजे इतकी वर्षे तुम्ही ज्या आयुष्य बदलून टाकणार्या बदलाची वाट पाहात होतात, तो बदल आता घडणार आहे. संवाद आणि वाटाघाटी यामुळे तुम्हाला नव्या संधी प्राप्त होतील. तुम्ही लोकांना मदत कराल. कामधंद्याच्या निमित्ताने तुम्ही प्रवास कराल आणि हे प्रवास तुमच्यासाठी फलदायी ठरतील. नोकरी करत असाल तर कामच्या ठिकाणी असलेल्या परिसंथतीत सुधारणा होईल.



सूर्य आपल्या आठव्या घरात आहेः

आंठवें भाव स्थित सूर्य यदि अनुकूल हो तो उम्र के 22वें वर्ष से सरकार का सहयोग मिलता है। ऐसा सूर्य जातक को सच्चा, पुण्य और राजा की तरह बनाता है। कोई उसे नुकसान पहुँचाने में सक्षम होता। यदि आठवें भाव स्थित सूर्य अनुकूल न हो तो दूसरे भाव में स्थित बुध आर्थिक संकट पैदा करेगा। जातक अस्थिर स्वभाव, अधीर और अस्वस्थ्य रहेगा।

- 1) घर में कभी भी सफेद कपड़े न रखें।
- 2) दक्षिण मुखी घर में न रहें।
- 3) हमेशा किसी भी नए काम शु करने से पहले मीठा खाकर पानी पिएं।
- 4) यदि सम्भव हो तो किसी जलती हुई चिता में तांबे के सिक्के डालें।
- 5) बहते हुए पानी में गुड़ बहाएं।



चंद्र आपल्या सातव्या घरात आहेः

सातवां घर शुक्र और बुध से संबंधित होता है। जब चंद्रमा इस भाव में स्थित होता है तो परिणाम शुक्र, बुध और चंद्रमा से प्रभावित होता है। शुक्र और बुध मिलकर सूर्य का प्रभाव देते हैं। पहला भाव सातवें को देखता है नतीजन पहले घर से सूर्य की किरणे सातवें भाव में बैठे चंद्रमा को सकारात्म प से प्रभावित करती हैं जिसका मतलब है कि चंद्रमा से संबंधित चीजों और रिश्तेदारों लाभकारी और अच्छे परिणाम मिलेंगे। शैक्षिक उपलब्धियां पैसा या धन कमाने के लिए उपयोगी साबित होंगी। उसके पास जमीन जायदाद हो या न हो लेकिन उसके पास नकद निश्चित प से हमेशा रहेगा। उसके पास कि या ज्योतिषी बनने की अच्छी योग्यता होगी। अथवा वह चित्रहीन हो सकता है और रहस्यवाद और अध्यात्मवाद को बहुत चाहता होगा। सातवें भाव में स्थित चंद्रमा जातक की पत्नी और मां के बीच अर्थ संघर्ष देता है जो दूध के व्यवसाय में प्रतिकूल प्रभावी होता है। ऐसे में जातक अगर मां का कहना नहीं मानता तो उसे तनाव और परेशानियों का सामना करना पडता है।

उपाय

- 1) 24वें वर्ष में शादी न करें।
- 2) अपनी माँ को हमेशा खुश रखें।
- 3) लाभ कमाने के लिए कभी भी दूध या पानी न बेचें।
- 4) खोया बनाने के लिए दूध को न जलाएं।
- 5) सुनिश्चित कर लें कि आपकी पत्नी शादी में अपने मायके से अपने वजन के बराबर चांदी और चावल लाए।

मंगळ आपल्या सातव्या घरात आहेः

यदि घर में शुक्र और बुध, के प्रभाव के अंतर्गत आता है जो कि आपस में मिलकर सूर्य का फल देते हैं। यदि मंगल सातवें भाव में है तो सातवां भाव मंगल और सूर्य के प्रभाव के अंतरगत आएगा जो यह सुनिश्चित करता की जातक की महत्वाकांक्षा पूरी हो जाएगी। धन संपत्ति, और परिवार में वृद्धि होगी। लेकिन अगर बुध भी मंगल ग्रह के साथ स्थित है तो बुध से संबंधित बातों और रिश्तों जैसे, बहन, भाभी, नर्सों, नौकरानी, तोता, बकरी आदि प्रतिकूल प्रभावी होंगी अत इनसे दूर रहना बेहतर होगा।

- 1) समृद्धि के लिए घर में चांदी का ठोस टुकघ रखें।
- 2) हमेशा बेटी, बहन, भाभी और विधवाओं को मिठाई भेंट करें।
- 3) बार बार एक छोटी सी दीवार बनाएं और गिराएं।

बुध आपल्या आठव्या घरात आहेः

आठवें घर में स्थित बुध बहुत बुरे प्रभाव देता है। लेकिन यदि इसके साथ कोई पुरुष ग्रह बैठा तो बुध अपने साथ बैठे ग्रह के फलों को और अच्छा करेगा।जातक एक कठिन जीवन जीता है, रोगों से पीडिघ्त रहता है और 32 से 34 साल उम्र के दौरान उसकी आमदनी आधी हो जाती है। यदि दूसरे भाव में कोई ग्रह हों तो परिणाम और अधिक हानिकारक होते हैं। यदि राहु भी इसी घर में हो तो जातक को जेल जाना पड सकता है, अस्पताल में भर्ती होना पड सकता है या जगह जगह भटकना पड सकता है। परिणाम और भी बुरा होता है यदि मंगल भी यहीं बैठा हो। यहां का बुध सरकारी विवाद पैदा करवाता है। साथ ही रक्त विकार, नेत्र विकार, दांत और नस में दर्द साथ की साथ व्यापार में भारी नुकसान देता है।

उपाय

- 1) किसी मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर यह श्मशान या सुनसान क्षेत्र में दफनाएँ।
- 2) किसी कंटेनर में दूध अथवा बारिश का पानी भरकर घर की छत पर रखें।
- 3) अपनी बेटी की नाक में बाली पहनाएं।

गुरु आपल्या अकरावा घरात आहे:

इस घर में बृहस्पति अपने शत्रु ग्रहों बुध, शुक्र और राहु से सम्बंधित चीजों और रिश्तेदारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नतीजतन, जातक की पत्नी दुखी रहेगी। इसी तरह, बहनें, बेटियां और बुआ भी दुखी रहेंगी। बुध सही स्थिति में तो भी जातक कर्जदार होता है। जातक तभी आराम से रह पाएगा जब वह पिता, भाइयों, बहनों और मां के साथ साथ एक संयुक्त परिवार में रहे।

- 1) हमेशा अपने शरीर पर सोना पहनें।
- 2) तांबे का कडा पहनें।
- 3) पीपल के पेड़ में जल चढाएं।

शुक्र आपल्या नवव्या घरात आहेः

इस घर में स्थित शुक्र अच्छे परिणाम नहीं देता। जातक धनवान हो सकता है लेकिन अपनी रोटी के लिए उसे कडी मेहनत करनी पडेगी। उसे अपने प्रयासों का उचित पुरस्कार नहीं मिलेगा। घर में पुरुष सदस्यों, पैसा, धन और संपत्ति की कमी हो जाएगी। यदि शुक्र बुध या किसी अशुभ ग्रह के साथ है तो जातक सत्रह साल की उम्र से नशे और किसी रोग का शिकार हो जाएगा।

उपाय

- 1) घर की नींव चांदी और शहद दबाएं।
- 2) पत्नी या स्त्री है तो स्वयं) लाल चूडिध्याँ पहनें जिनमें चांदी की धारियां हों अथवा चांदी चूडिध्याँ जिन पर लाल रंग की डिजाइनिंग हो।
- 3) किसी नीम के पेड़ के नीचे 43 दिनों के लिए चांदी का टुकड़ा दबाएं।

शनी आपल्या दहाव्या घरात आहे:

यह शनि का अपना घर है, जहां शनि अच्छा परिणाम देगा। जातक तब तक धन और संपत्ति का आनंद लेता रहेगा, जब तक कि वह घर नहीं बनवाता। जातक महत्वाकांक्षी होगा और सरकार से लाभ का आनंद लेगा। जातक को चतुराई से काम लेना चाहिए और एक जगह बैठ कर काम करना चाहिए। तभी उसे शनि से लाभ और आनंद मिल पाएगा।

- 1) प्रतिदिन मंदिर जाएं।
- 2) शराब, मांस और अंडे से परहेज करें।
- 3) दस अंधे लोगों को भोजन कराएं।



राहु आपल्या दुसर्या घरात आहेः

यदि दूसरे घर में राहू शुभ अवस्था में हो तो जातक पैसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करता है और किसी राजा की तरह जीवन जीता है। जातक दीर्घायु होता है। दूसरा भाव बृहस्पित और शुक्र से प्रभावित होता है। यदि बृहस्पित शुभ हो तो जातक अपनी प्रारंभिक अवस्था में धन से युक्त व आराम भरी जिन्दगी जीता है। यदि राहू नीच का हो तो जातक गरीब होता है, उसका पारिवारिक जीवन खराब होता है। वह पेट के विकारों से परेशान होता है। जातक पैसे बचाने में असमर्थ होता है और उसकी मृत्यु किसी हथियार से होती है। उसके जीवन के दसवें, इक्कीसवें और बयालीसवें वर्ष में चोरी आदि माध्यमों से उसका धन खो जाता है।

उपाय

- 1) चांदी की एक ठोस गोली अपनी जेब में रखें।
- 2) बृहस्पति से सम्बंधित चीजें जैसे सोना, पीले कपड़े और केसर आदि उपयोग में लाएं।
- 3) माँ के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखें।
- 4) शादी के बाद ससुराल वालों से कोई बिजली का उपकरण न लें।

केतु आपल्या आठव्या घरात आहेः

आठवां घर मंगल ग्रह का है, जो केतु का शत्रु है। यदि आठवें भाव में केतू शुभ है तो जातक को चौंतीस साल की उम्र में अथवा जात्क की बहन या पुत्री की शादी के बाद पुत्र की प्राप्ति होती है। यदि बृहस्पित या मंगल छठवें या बारहवें घर में हों तो केतू अशुभ परिणाम नहीं देता। चंद्रमा के दूसरे भाव में स्थित होने पर भी यही परिणाम मिलता है। यदि आठवें भाव में स्थित केतू अशुभ हो तो जातक की पत्नी बीमार रहती है। पुत्र का जन्म नहीं होता, यदि होता है तो मृत्यु हो जाती है। जातक मधुमेह या मूत्र रोग से ग्रस्त होता है। यदि शनि अथवा मंगल सातवें घर में हों तो जातक दुर्भाग्यशाली होता है। आठवें भाव में अशुभ केतू के होने की अवस्था में जातक का चरित्र उसके पत्नी के स्वास्थ्य को निर्धारित करता है। छब्बीस साल की उम्र के बाद वैवाहिक जीवन में परेशानियां आती हैं।

- 1) एक कुत्ता पालें।
- 2) किसी मंदिर में काला और सफेद रंग वाला कंबल दान करें।
- 3) भगवान गणेश की पूजा करें।
- 4) कान में सोना पहनें।
- 5) माथे पर केसर का तिलक लगाएं।

सूर्य

चंद्र

01/12/2117

01/12/2118

01/12/2122

01/12/2124

मंगळ

।। लाल किताब आकडेमोड ।।

| नाव | Shreeraj Suryakant Ubhe | | | सूर्योदय | 06, 48, 36 | दशा भोग्य | MAR 0 Y 10 M 23 D |
|---------------|-------------------------|------------|-----------|----------|------------|----------------|-------------------|
| लिंग | Male | रेखांश | 73.58.E | तिथी | द्वादशी | सूर्यास्त | 17. 57. 42 |
| दिनांक | 1.12.2021 | अक्षांश | 17.40.N | योग | सौभाग्य | कारण | तैतिल |
| दिन | बुधवार | स्थान | Satara | लग्न | मेष | लग्न अधिपती | मंगल |
| जन्मवेळ | 15.59.0 | अयनांश | 024-09-45 | राशी | तुला | राशि अधिपती | शुक्र |
| साम्पातिक काल | 20.06.51 | अयनांश नाव | लाहिरी | नक्षत्र | चित्रा—4 | नक्षत्र अधिपती | मंगल |

लाल किताब ग्रह स्थिति ग्रह खुण अवस्था सोया किस्मत उपकारक / जगानेवाला अपायकारक सूर्य वृश्चिक नाही नाही उपकारक चंद्र हो नाही उपकारक तुला मंगळ तुला हो नाही उपकारक बुध वृश्चिक नाही नाही अपायकारक गुरु हो हो कुंभ अपायकारक शुक्र धनु हो नाही अपायकारक शनी–रेट हो मकर हो उपकारक राहु–रेट नाही वृषभ नाही अपायकारक केतु–रेट वृश्चिक नाही नाही अपायकारक

| लाल किताब दशा | | | | | | | | | | | |
|------------------------|-------------------------|---------------|---|-------------|---|--------------|-------------|--------------|------------|--------------|----------------|
| सेट ६ वर्ष राहु ६ वर्ष | | केतु 3 वर्ष | | जूप 6 वर्ष | | सूर्य २ वर्ष | | चंद्र 1 वर्ष | | | |
| आरम्भ | 01/12/2021 | आरम्भ | 01/12/2027 | आरम्भ | 01/12/2033 | आरम्भ | 01/12/2036 | आरम्भ | 01/12/2042 | आरम्भ | 01/12/2044 |
| अंत | 01/12/2027 | अंत | 01/12/2033 | अंत | 01/12/2036 | अंत | 01/12/2042 | अंत | 01/12/2044 | अंत | 01 / 12 / 2045 |
| राहु | 01/12/2023 | मंगळ | 01/12/2029 | सेट | 01/12/2034 | केतु | 01/12/2038 | सूर्य | 01/08/2043 | जूप | 01/04/2045 |
| मेर | 01/12/2025 | केतु | 01/12/2031 | राहु | 01/12/2035 | जूप | 01/12/2040 | चंद्र | 01/04/2044 | सूर्य | 01/08/2045 |
| सेट | 01/12/2027 | राहु | 01/12/2033 | केतु | 01/12/2036 | सूर्य | 01/12/2042 | मंगळ | 01/12/2044 | चंद्र | 01/12/2045 |
| वेन 3 वर्ष मंगळ 6 वर्ष | | मेर 2 वर्ष से | | सेट 6 वर्ष | | राहु 6 वर्ष | | केतु 3 वर्ष | | | |
| आरम्भ | 01/12/2045 | आरम्भ | 01/12/2048 | आरम्भ | 01/12/2054 | आरम्भ | 01/12/2056 | आरम्भ | 01/12/2062 | आरम्भ | 01/12/2068 |
| अंत | 01/12/2048 | अंत | 01/12/2054 | अंत | 01/12/2056 | अंत | 01/12/2062 | अंत | 01/12/2068 | अंत | 01/12/2071 |
| मंगळ | 01/12/2046 | मंगळ | 01/12/2050 | चंद्र | 01/08/2055 | राहु | 01/12/2058 | मंगळ | 01/12/2064 | सेट | 01/12/2069 |
| सूर्य | 01/12/2047 | सेट | 01/12/2052 | मंगळ | 01/04/2056 | मेर | 01/12/2060 | केतु | 01/12/2066 | राहु | 01/12/2070 |
| चंद्र | 01/12/2048 | वेन | 01/12/2054 | जूप | 01/12/2056 | सेट | 01/12/2062 | राहु | 01/12/2068 | केतु | 01/12/2071 |
| जूप 6 वा | जुप 6 वर्ष सूर्य 2 वर्ष | | चंद्र 1 वर्ष | | वेन 3 वर्ष | | मंगळ ६ वर्ष | | मेर 2 वर्ष | | |
| आरम्भ | 01/12/2071 | आरम्भ | 01/12/2077 | आरम्भ | 01/12/2079 | आरम्भ | 01/12/2080 | आरम्भ | 01/12/2083 | आरम्भ | 01/12/2089 |
| अंत | 01/12/2077 | अंत | 01/12/2079 | अंत | 01/12/2080 | अंत | 01/12/2083 | अंत | 01/12/2089 | अंत | 01/12/2091 |
| केतु | 01/12/2073 | सूर्य | 01/08/2078 | जूप | 01/04/2080 | मंगळ | 01/12/2081 | मंगळ | 01/12/2085 | चंद्र | 01/08/2090 |
| जूप | 01/12/2075 | चंद्र | 01/04/2079 | सूर्य | 01/08/2080 | सूर्य | 01/12/2082 | सेट | 01/12/2087 | मंगळ | 01/04/2091 |
| सूर्य | 01/12/2077 | मंगळ | 01/12/2079 | चंद्र | 01/12/2080 | चंद्र | 01/12/2083 | वेन | 01/12/2089 | जूप | 01/12/2091 |
| ` | · | | | \ | | ŗ | | , , | | | |
| सेट 6 वा | | राहु ६ वर्ष | | केतु ३ वर्ष | | जूप ६ वर्ष | | सूर्य २ वर्ष | | चंद्र 1 वर्ष | |
| आरम्भ | 01/12/2091 | आरम्भ | 01 / 12 / 2097 | आरम्भ | 01/12/2103 | आरम्भ | 01/12/2106 | आरम्भ | 01/12/2112 | आरम्भ | 01/12/2114 |
| अंत | 01/12/2097 | अंत · | 01/12/2103 | अंत | 01/12/2106 | अंत | 01/12/2112 | अंत | 01/12/2114 | अंत | 01/12/2115 |
| राहु | 01/12/2093 | मंगळ . | 01/12/2099 | सेट | 01/12/2104 | केतु | 01/12/2108 | सूर्य | 01/08/2113 | जूप | 01/04/2115 |
| मेर | 01/12/2095 | केतु | 01/12/2101 | राहु | 01/12/2105 | जूप | 01/12/2110 | चंद्र | 01/04/2114 | सूर्य | 01/08/2115 |
| सेट | 01/12/2097 | राहु | 01/12/2103 | केतु | 01/12/2106 | सूर्य | 01/12/2112 | मंगळ | 01/12/2114 | चंद्र | 01/12/2115 |
| वेन 3 वर्ष मंगळ 6 वर्ष | | मेर 2 वर्ष | | | | | | | | | |
| आरम्भ | 01/12/2115 | आरम्भ | 01/12/2118 | आरम्भ | 01/12/2124 | | | | | | |
| अंत | 01/12/2118 | अंत | 01/12/2124 | अंत | 01/12/2126 | | | | | | |
| मंगळ | 01/12/2116 | मंगळ | 01/12/2120 | चंद्र | 01/08/2125 | | | | | | |
| r | 1 | _ | ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' | | ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' | | | | | | |

01/04/2126

01/12/2126

।। आपल्या पत्रिका आणि ज्योतिष मध्ये ग्रह विचार ।।

सूर्य मानणे

तुमच्या कुंडलीत सूर्य वृश्चिक राशीत आहे, जो कि सूर्य की मैत्रीपूर्ण राशि है। सूर्य पाचव्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में आठव्या घर में स्थित है। सूर्य दृश्टि दुसर्या घरावर आहे.राहु की पूर्ण दृष्टि सूर्य पर है।

या घरात सूर्य असेल तर तुम्हाला काही चांगले परिणाम पाहायला मिळतील, पण अनेक प्रकारचे त्रासही सहन करावे लागतील. या स्थानातील सूर्य तुमची आर्थिक बाजू भक्कम करतो. धन कमविण्याबरोबरच धनाची बचही क शकाल. कदाचित जोडीदाराच्या माध्यमातून धनलाभ होण्याची शक्यता असते. तुम्ही तुमच्या आयुष्यात असे काहीतरी काम कराल, ज्याने तुम्हाला नायकांच्या श्रेणीत उभे करण्यात येईल.

साधारणपणे या स्थानात सूर्य फलदायी निकाल देत नाही ज्यामुळे तुम्हाला पित्ताशयाशी संबंधित समस्या उद्भवू शकतात. त्याबरोबरच डोळ्यांशी संबंधित आजार तुम्हाला त्रासदायक होऊ शकतात. सूर्य या स्थितीत असल्यामुळे तुमचा संयम कमी होऊन तुम्ही जास्त आक्रमक होऊ शकता. जेंव्हा तुमच्यावर असलेल्या कामाच्या ताणाची परिणती चिडचिड होण्यात होईल. कोणत्याही मुद्याबाबत विचार न करण्याचा सल्ला तुम्हाला आम्ही देऊ अथवा तुम्हाला इदय विकाराचा त्रास होईल.

जर तुम्ही आळशी असाल तर आळस झटकण्याची ही वेळ आहे. अशा प्रकारे जास्त संपत्ती जमवण्याची वेळ आहे. कोणत्याही व्यसनाच्या आहारी जाऊ नका ज्यामुळे तुमच्या तब्येतीला हानी पोहचेल. वडीलांबरोबर संबंध चांगले ठेवा. विवाह बाह्य संबंध टाळा. दक्षिणाभिमुख घरात राहू नका.

चंद्र मानणे

तुमच्या कुंडलीत चंद्र तुला राशीत आहे, जो कि चंद्र की तटस्थ राशि है। चंद्र चौथ्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में सातव्या घर में स्थित है। चंद्र दृष्टि पहिल्या घरावर आहे.गुरु,शनी की पूर्ण दृष्टि चंद्र पर है।

चंद्र सातव्या स्थानात असल्यामुळे तुमचा समावेश समाजातील सभ्य लोकांमध्ये होईल. तुम्हाला जलमार्गाने प्रवास करणे किंवा पाण्याजवळ राहणे अधिक प्रिय असेल. काही बाबतीत तुम्ही अधीर व्हाल पण बहुतांशवेळा तुम्ही संयम बाळगता. तुमच्यात नेतृत्वगुणही आहे. तुम्हाला तुमच्या आयुष्यात खुप प्रवास करावा लागेल.

तुम्ही चांगले व्यापारी वा वकील होऊ शकता. तुमची ऊर्जा पातळी वाखाणण्यासारखी असेल. तुम्ही कदाचित अपेक्षेच्या आधी विवाहबद्ध होऊ शकता. तुम्ही तुमच्या जोडीदारावर मनापासून प्रेम कराल. तुम्ही शरीराने सुदृढ आणि बांधीव असल्यामुळे तुमचा जोडीदारही ही शरीराने सुदृढ असणे आवश्यक आहे. तुमच्या दोघांचे एकमेकांबरोबरचे नातेही प्रेमळ आणि सर्जक असायला हवे.

तुम्हाला व्यापारात चांगले यश मिळेल. तुम्हाला जर विदेश प्रवासाची इच्छा असेल तर थोडे प्रयत्न कन ही इच्छा तुम्ही पूर्ण क शकता. आपल्या जोडीदारा बरोबर प्रवासाच्या अनेक संधी तुम्हाला मिळतील. तुमच्या मुलांनाही प्रवास करण्यात रस असेल. ते त्यांच्या उद्योगात यशस्वी असतील पण ते त्यांचा व्यवसाय अनेक वेळा बदलतील.

।। आपल्या पत्रिका आणि ज्योतिष मध्ये ग्रह विचार ।।

मंगळ मानणे

तुमच्या कुंडलीत मंगळ तुला राशीत आहे, जो कि मंगळ की तटस्थ राशि है। मंगळ पहिल्या, आठव्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में सातव्या घर में स्थित है। मंगळ दृष्टि दहाव्या,पहिल्या,दुसर्या घरावर आहे.गुरु,शनी की पूर्ण दृष्टि मंगळ पर है।

सातव्या स्थानातील मंगळ हा फार अनुकूल मानला जात नाही. या स्थानातील मंगळामुळे तुमचा विवाह उशीरा होऊ शकतो आणि तुमच्या जोडीदाराला दुख सहन करावे लागू शकते. जोडीदाराशी तुमची वागणूक फार चांगली नसेल. मंगळाच्या या स्थानामुळे विभक्त होण्यायी वेळही तुमच्यावर येऊ शकेल.

मंगळाचे सध्याचे स्थानामुळे तुम्ही इतरांचा मत्सर कराल. हे तुम्हाला अस्वस्थ आणि असमाधानी सुद्धा बनवू शकते. याबरोबरच, तुम्ही वास्तवाभिमुख होतानाच वाद ही होतील. यश संपादन करण्यासाठी मेहनत करावी लागेल. मंगळाचे सध्याचे स्थान आर्थिक बाबींमध्ये चांगले मानले जात नाही. त्यामुळे अनावश्यक बाबींवर पैसा खर्च होण्याची शक्यता आहे.

तुम्ही पटकन चिडाल व त्यामुळे कदाचित अपशब्द वापराल. वाताशी संबंधित समस्या ही तुम्हाला उद्भवतील आणि पोटाच्या समस्यांनाही सामोरे जावे लागेल. तुमच्या दुर्सया मुलाला आरोग्याच्या काही समस्या असू शकतील. तुमच्या मोठ्या भावंडाचे तुमच्या वडीलांबरोबर कदाचित चांगले संबंध नसतील.

बुध मानणे

तुमच्या कुंडलीत बुध वृश्चिक राशीत आहे, जो कि बुध की तटस्थ राशि है। बुध तिसर्या, सहाव्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में आठव्या घर में स्थित है। बुध दृश्टि दुसर्या घरावर आहे.राहु की पूर्ण दृष्टि बुध पर है।

आठव्या स्थानातील वुध बहुधा शुभफल देतो. त्यामुळे तुम्ही प्रसन्न आणि स्वाभिमानी व्यक्ती आहात. परोपकार करणे तुम्हाला आवडते. तुम्ही तुमच्या गुणांमुळे प्रसिद्ध, यशस्वी आणि नावाजलेल्या व्यक्ती असाल. तुम्ही तुमच्या विनम्रतेमुळे प्रसिद्ध आणि श्रीमंत व्हाल.

तुम्ही राजाच्या कृपेस पात्र आणि राजाच्या कृपेमुळे वैभव व संपत्ती प्राप्त कराल. स्मरणशक्ती चांगली असूनही तुमचे शिक्षण मात्र सामान्यच असेल. या स्थानातील बुध तुमचे आयुर्मान वाढवतो. गुप्त विद्या आणि आध्यात्माची प्राप्ती करण्याची तुम्हाला आवड असू शकते. असे म्हणताता की, आठव्या स्थानात बुध असेल तर ती व्यक्ती राजाच्या कृपेने दुसर्यांना दंड देण्यास समर्थ असते. म्हणजेच तुम्ही न्यायाधीश असू शकता

आपको पच्चीस वर्ष की उम्र में ही कोई बड़ा पद मिल सकता है। आपको विलासिता के अवसर मिलते रहेंगे। आपमें दूसरों के कष्ट को दूर करने की सामर्थ्य होगी। आप अपने शत्रुओं पर सरलता से विजय पा सकेंगे। लेकिन आपको मस्तिष्क और नसों से सम्बंधित रोग या कष्ट हो सकते हैं। व्यवसायिक पार्टनर का चयन अच्छी तरह से जांच परख करके करना चाहिए।

।। आपल्या पत्रिका आणि ज्योतिष मध्ये ग्रह विचार ।।

गुरु मानणे

तुमच्या कुंडलीत गुरु कुंभ राशीत आहे, जो कि गुरु की तटस्थ राशि है। गुरु नवव्या, बाराव्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में अकरावा घर में स्थित है। गुरु दृष्टि तिसर्या,पाचव्या,सातव्या घरावर आहे.

या स्थानातील गु तुम्हाला सुंदर, निरोगी आणि दीर्घायुष्य देतो. तुम्ही समाधानी, उदार आणि परोपकारी व्यक्ती आहात. तुम्ही कुशाग्र बुद्धी असलेले आणि विचारवंत आहात. तुम्ही प्रामाणिक, सत्यवचने आणि संतस्वभावाचे आहात. तुमची संगत नेहमी चांगली आणि श्रेष्ठ व्यक्तींची असेल. तुम्हाला राजा किंवा सरकारकडून सन्मान मिळेल. उच्चपदस्थ आणि घरंदाज व्यक्तींशी तुमची मैत्री असेल

तुमचे मित्र सुस्वभावी असतील. तुमच्या इच्छापूर्तीसाठी आणि महत्त्वाकांक्षा पूर्ण करण्यासाठी ते तुमची मदत करतील. चांगल्या मित्रांचा सल्ला तुमच्यासाठी उत्तम आणि फायदेशीर ठरेल. तुमच्याकडून करण्यात आलेल्या उत्तम कार्याने समाजात तुमचे नाव होईल आणि तुम्ही प्रसिद्ध व्हाल. तुम्हाला धनलाभ आणि अर्थप्राप्ती होईल. तुम्ही समृद्ध आणि संपन्न व्यक्ती आहात. तुमच्याकडे उत्पन्नाचे अनेक स्रोत असतील

या स्थानात असलेला गु कधी कधी तुम्हाला कंजूष बनवतो आणि अपत्यांविषयी काही चिंता देतो. वयाच्या ३२ व्या वर्षी तुम्हाला खूप लाभ होतो. पण तुमच्या विडलोपार्जित संपत्तीला कोणतरी हडपण्याची शक्यता असते किंवा एखाद्या कारणामुळे ती हातून निसटून जाऊ शकते. तुम्ही पराक्रमी, विडलांना मदत करणारे आणि शत्रूला पराजित करणारे व्यक्ती आहात. तुमची लोकांकडून प्रशंसा होईल आणि राजेशाही व्यक्तींकडून तुम्हाला आदर मिळेल.

शुक्र मानणे

तुमच्या कुंडलीत शुक्र धनु राशीत आहे, जो कि शुक्र की तटस्थ राशि है। शुक्र दुसर्या, सातव्या घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में नवव्या घर में स्थित है। शुक्र दृश्टि तिसर्या घरावर आहे.

नवव्या स्थानातील शुक्रामुळे तुम्ही शारिरीक दृष्ट्या सुदृढ असाल. तुम्ही धार्मिक, निर्मळ, परोपकारी आणि गुणवान व्यक्ती आहाहत. तुम्ही ईश्वरावर श्रद्धा असलेले धार्मिक व्यक्ती आहात. असे म्हणतात की अशा व्यक्ती शुद्ध मनाच्या आणि आध्यातमिक असतात. या स्थानात शुक्र असेल तर ती व्यक्ती तीर्थयात्रा करणारी, जपनामात विश्वास असणारी आणि धार्मि कार्ये करणारी असेल. त्यामुळे तुम्हीसुद्धा तसेच असाल

गु, देव आणि पाहुण्यांची सेवा करण्यात तुम्हाला आनंद मिळतो. तुम्ही दयाळू, उदार आणि समाधानी आहात. गाणे, वाद्य वाजवणे, चित्रपट अशा ललित कलांची तुम्हाला आवड असेल किंवा तुम्ही या कलांमध्ये तज्ज्ञ असाल. तुम्ही एक चांगले अभिनेता, काव्य किंवा नाट्यवाचक आणि ज्ञानाचे भुकेले आहात. तुम्हाला समुद्रप्रवासाची संधी मिळू शकेल

तुमची गणना श्रीमंतांमध्ये होईल. तुम्ही तुमच्या बाहुबलाच्या जोरावर खूप धन कमवाल. तुम्ही व्याजावर पैसे देण्याचे काम क शकता. तुमच्या धनसंचयात उत्तोरत्तर वृद्धी होत जाईल. तुम्हाला सर्व प्रकारची भौतिक सुखे मिळतील. तुम्ही उंची कपडे परिधान करणारे व्यक्ती असाल. विवाहनंतर तुम्ही अधिक सफल व्हाल. हे स्थान तुमच्या विडलांसाठी कधी कधी प्रतिकूल असू शकते.

।। आपल्या पत्रिका आणि ज्योतिष मध्ये ग्रह विचार ।।

शनी मानणे

तुमच्या कुंडलीत शनी मकर राशीत आहे, जो कि शनी की स्वतक्तचे राशि है। शनी दहाव्या, अकरावा घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में दहाव्या घर में स्थित है। शनी दृष्टि बाराव्या,चौथ्या,सातव्या घरावर आहे.मंगळ,राहु की पूर्ण दृष्टि शनी पर है।

या स्थानात असलेला शनि तुम्हाला आनंदी बनवतो आणि तुम्ही चांगल्या कामांमध्ये सहभागी असता. तुम्ही सर्वांचे आवडते असाल आणि सर्वच तुमचा आदर करतील. तुम्ही चांगले धोरणकर्ते असाल. तुम्ही मृदू स्वभावाचे आणि महत्त्वाकांक्षी व्यक्ती आहात. तुम्ही मेहेनती आणि बुद्धिमान व्यक्ती आहात. तुम्ही स्वाभीमानी, धैर्यशील आहात आणि कुटुंबातील सर्वजण तुमचा आदर करतात. तुम्ही संत, धार्मिक संशोधक किंवा ज्योतिषी असू शकता.

तुम्ही सर्वांच्या वर आणि चांगले शासक असू शकतात. तुमच्या नेतृत्वगुण आहेत. तुम्ही एखाद्या गावाचे, शहराचे किंवा लोकसमूहाचे प्रमुख असू शकाल. तुमच्या समाजसेवेमुळे तुम्ही प्रसिद्ध असू शकाल. तुमच्या कौशल्यामुळे तुम्हाला अनेक संधी मिळतील आणि जबाबदारी निभावून नेण्याच्या तुमच्या गुणाला याचे श्रेय जाते.

तुमच्या अर्थार्जनाचा वेग काहीसा कमी असेल, म्हणजेच तुम्हाला हळुहळू यश मिळेल. तुम्ही राजघरण्याच्या कामात तज्ज्ञ असाल. तुम्ही न्यायाधीश किंवा दंडाधिकारी असाल. तुम्ही राज्याचे खिजनदारही असू शकाल. तुम्ही परदेशी जाला आणि तेथील राजमहालात वास्तव्य कराल. वादविवाद आणि युद्धात तुम्ही जिंकाल. तुम्हाला उच्च पद मिळू शकेल.

राहु मानणे

तुमच्या कुंडलीत राहु वृषभ राशीत आहे। राहु दुसर्या घर में स्थित है। राहु दृश्टि सहाव्या,आठव्या,दहाव्या घरावर आहे. सूर्य,मंगळ,बुध,केतु की पूर्ण दृष्टि राहु पर है।

या स्थानातील राहू तुम्हाला चांगली आणि वाईट अशी दोन्ही प्रकारची फलप्राप्ती कन देईल. तुमच्या गालावर एखादी खूण असेल. तुमचे नाक सामान्यांपेक्षा काकणभर अधिक लांब असेल. लोक तुमच्यावर विश्वास ठेवतील, पण तुम्ही त्यांची अपेक्षा पूर्ण क शकत नाही. असे असले तरी तुम्ही एक सदाचारी व्यक्ती आहात. याच गुणामुळे तुम्ही श्रीमंत होता. सरकार किंवा राज्यकर्त्यांच्या मार्फत तुम्ही पैसे कमवाल.

आपण आनंदी राहाल तसेच आयुष्यात आदर व सन्मान प्राप्त क शकाल. परदेशातूनही आपल्याला धनप्राप्ती होऊ शकते. परदेशातून मिळणार्या गंगाजळीसाठी राहू मदत करतो असे म्हणतात. आपण शत्रुंचा नायनाट कराल. देशात तसेच परदेशात प्रवास करणे आपल्या पसंतीचे असेल. मात्र कामाच्या ठिकाणी आपल्याला काही अडथळ्यांचा सामना करावा लागेल.

आपल्या अपत्यांचा संख्या कमी असेल. राहूच्या उपस्थितीमुळे कामात स्थैर्य येण्याची शक्यता कमी आहे तसेच कामात अडथळेही संभवतात. आपण खोटे बोलण्याचाही आधार घेऊ शकता. अनावश्यक बडबड करण्याची सवय आपल्याला लागू शकते यासह वाईट बोलण्याची सवय जडू शकते. खाण्यापिण्याच्या वाईट सवयी लागू शकतात. कदाचित विडलांकडील मालमत्ता गमवावी लागण्याची वेळ येऊ शकते. आपण पैशांचा गैरवापर करण्याची शक्यता आहे. तसेच बेकार गोष्टींवर पैशांची उधळपट्टी होण्याचाही संभव आहे.

।। आपल्या पत्रिका आणि ज्योतिष मध्ये ग्रह विचार ।।

केतु मानणे

तुमच्या कुंडलीत केतु वृश्चिक राशीत आहे। केतु आठव्या घर में स्थित है। केतु दृश्टि बाराव्या,दुसर्या,चौथ्या घरावर आहे. राहु की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

या स्थानी असलेला केतू तुम्हाला शुभ फलप्राप्ती कन देईल. त्यामुळे तुम्ही साहसी आणि मेहेनती असाल. तुम्ही तुमचे काम नेहमीच गंभीरपणे घेता. तुम्हाला खेळांचीही खूप आवड असेल. तुम्ही आनंदी असाल. तुम्ही स्वभावाने विनम्र असाल. तुम्हाला खूप आर्थिक लाभ मिळेल. तुम्हाला सरकारकडूनही अर्थप्राप्ती होण्याची शक्यता आहे.

या स्थानी असलेला केतू हा बहुतेक बाबतीत अनिष्ट परिणाम घडवून आणतो. त्यामुळे तुम्हाला वाईट संगत आवडू शकते. तुम्ही कदाचित स्वाथी आणि क्रूर व्यक्ती असाल. दुसर्याला दुखवताना तुम्हाला फार काही वाटणार नाही. तुम्ही काही गोष्टी अशा कराल ज्या नैतिकतेच्या दृष्टीने चुकीच्या असतील. कधी कधी तुम्ही केलेले काम हे तुमच्यातील अधीरपणा दर्शवते.

या स्थानातील केतूमुळे तुम्हाला तोंडाचे, दातांचे किंवा आतील भागातील अवयवांचे विकार होऊ शकतात. हे स्थान आर्थिक परिस्थितीच्या दृष्टीनेही फार बरे नाही. तुम्ही एखाद्याल दिलेली रक्कम परत मिळवताना खूप त्रास होईल आणि पैसे मिळण्यातही अनेक अडथळे निर्माण होतील. तुम्ही दुसर्यांची संपत्ती आणि नाती यात खूप स्वारस्य दाखवाल. वाहनांमुळेही तुमच्या आयुष्यात समस्या उद्भवतील. तुमच्यात आणि तुमच्या मित्रांमध्ये काही वाद होतील आणि ताटातूट होईल.

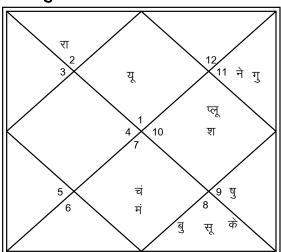
।। शोडशावर्ग कोष्टक ।।

| एस.एन | शोडश्वर्ग | लग्न | सूर्य | चंद्र | मंगळ | मेर | जूप | वेन | सेट | राह | केत | यूरे | नेप | দ্বু |
|-------|---------------|------|-------|-------|------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------|
| 1 | लग्न | 1 | 8 | 7 | 7 | 8 | 11 | 9 | 10 | 2 | 8 | 1 | 11 | 10 |
| 2 | होरा | 5 | 5 | 5 | 4 | 5 | 5 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 |
| 3 | द्रेक्काना | 5 | 12 | 7 | 3 | 12 | 11 | 5 | 2 | 2 | 8 | 5 | 7 | 10 |
| 4 | चतुर्थांश | 4 | 2 | 7 | 4 | 2 | 11 | 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 8 | 10 |
| 5 | सप्तमम्श | 4 | 5 | 7 | 1 | 5 | 11 | 3 | 7 | 9 | 3 | 4 | 5 | 4 |
| 6 | नवम्श | 5 | 8 | 8 | 3 | 8 | 7 | 8 | 2 | 12 | 6 | 6 | 2 | 10 |
| 7 | दशमम्श | 5 | 9 | 8 | 4 | 9 | 11 | 5 | 10 | 12 | 6 | 6 | 7 | 6 |
| 8 | द्वदशमम्श | 6 | 2 | 8 | 6 | 2 | 11 | 7 | 3 | 4 | 10 | 8 | 9 | 10 |
| 9 | शोदशम्श | 8 | 1 | 3 | 3 | 1 | 5 | 11 | 8 | 8 | 8 | 10 | 6 | 1 |
| 10 | विम्शम्श | 10 | 7 | 4 | 7 | 8 | 9 | 10 | 10 | 1 | 1 | 12 | 2 | 1 |
| 11 | चतुर्विम्शम्श | 4 | 4 | 8 | 3 | 5 | 6 | 2 | 3 | 9 | 9 | 7 | 1 | 4 |
| 12 | सप्तविम्शम्श | 2 | 11 | 11 | 7 | 12 | 8 | 12 | 5 | 10 | 4 | 4 | 6 | 4 |
| 13 | त्रिम्शम्श | 9 | 12 | 1 | 7 | 12 | 1 | 7 | 12 | 6 | 6 | 9 | 7 | 2 |
| 14 | खवेदम्श | 8 | 3 | 7 | 1 | 5 | 2 | 12 | 2 | 4 | 4 | 12 | 11 | 7 |
| 15 | अक्शवेदम्श | 10 | 3 | 8 | 6 | 5 | 7 | 12 | 11 | 3 | 3 | 3 | 8 | 2 |
| 16 | शरितअम्श | 6 | 2 | 4 | 2 | 5 | 1 | 2 | 3 | 3 | 9 | 12 | 3 | 11 |

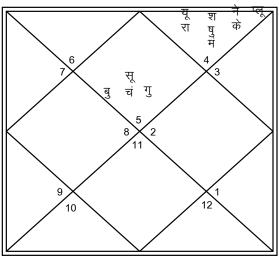
शोडश्वर्ग भाव कोष्टक

| एस.एन. | शोडश्वर्ग | लग्न | सूर्य | चंद्र | मंगळ | मेर | जूप | वेन | सेट | राह | केत | यूरे | नेप | দ্বু |
|--------|---------------|------|-------|-------|------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------|
| 1 | लग्न | 1 | 8 | 7 | 7 | 8 | 11 | 9 | 10 | 2 | 8 | 1 | 11 | 10 |
| 2 | होरा | 1 | 1 | 1 | 12 | 1 | 1 | 12 | 12 | 12 | 12 | 12 | 12 | 12 |
| 3 | द्रेक्काना | 1 | 8 | 3 | 11 | 8 | 7 | 1 | 10 | 10 | 4 | 1 | 3 | 6 |
| 4 | चतुर्थांश | 1 | 11 | 4 | 1 | 11 | 8 | 3 | 10 | 11 | 5 | 4 | 5 | 7 |
| 5 | सप्तमम्श | 1 | 2 | 4 | 10 | 2 | 8 | 12 | 4 | 6 | 12 | 1 | 2 | 1 |
| 6 | नवम्श | 1 | 4 | 4 | 11 | 4 | 3 | 4 | 10 | 8 | 2 | 2 | 10 | 6 |
| 7 | दशमम्श | 1 | 5 | 4 | 12 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 2 | 2 | 3 | 2 |
| 8 | द्वदशमम्श | 1 | 9 | 3 | 1 | 9 | 6 | 2 | 10 | 11 | 5 | 3 | 4 | 5 |
| 9 | शोदशम्श | 1 | 6 | 8 | 8 | 6 | 10 | 4 | 1 | 1 | 1 | 3 | 11 | 6 |
| 10 | विम्शम्श | 1 | 10 | 7 | 10 | 11 | 12 | 1 | 1 | 4 | 4 | 3 | 5 | 4 |
| 11 | चतुर्विम्शम्श | 1 | 1 | 5 | 12 | 2 | 3 | 11 | 12 | 6 | 6 | 4 | 10 | 1 |
| 12 | सप्तविम्शम्श | 1 | 10 | 10 | 6 | 11 | 7 | 11 | 4 | 9 | 3 | 3 | 5 | 3 |
| 13 | त्रिम्शम्श | 1 | 4 | 5 | 11 | 4 | 5 | 11 | 4 | 10 | 10 | 1 | 11 | 6 |
| 14 | खवेदम्श | 1 | 8 | 12 | 6 | 10 | 7 | 5 | 7 | 9 | 9 | 5 | 4 | 12 |
| 15 | अक्शवेदम्श | 1 | 6 | 11 | 9 | 8 | 10 | 3 | 2 | 6 | 6 | 6 | 11 | 5 |
| 16 | शरितअम्श | 1 | 9 | 11 | 9 | 12 | 8 | 9 | 10 | 10 | 4 | 7 | 10 | 6 |

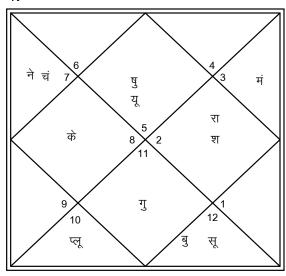
लग्न कुंडली



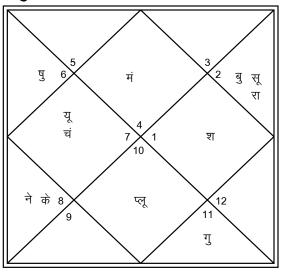
होरा–धन–सम्पत्ति



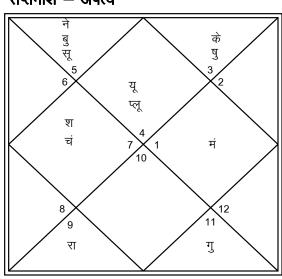
द्रेष्काण – भावंडे



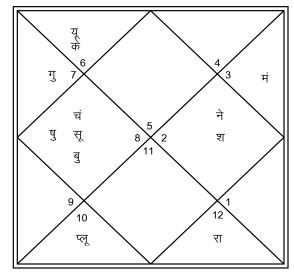
चतुर्थांश — नशीब



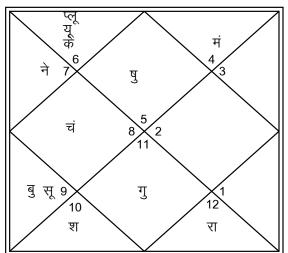
सप्तमांश - अपत्य



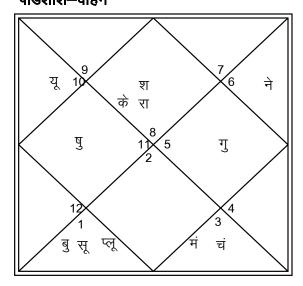
नवमांश – पती किंवा पत्नी



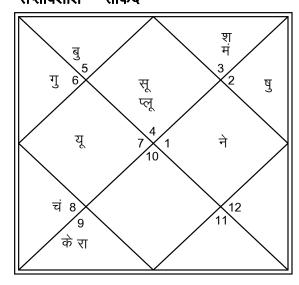
दशमांश – व्यवसाय



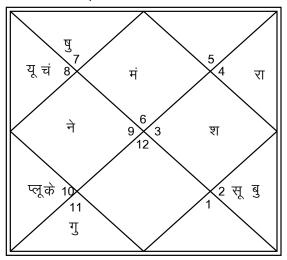
षोडशांश—वाहन



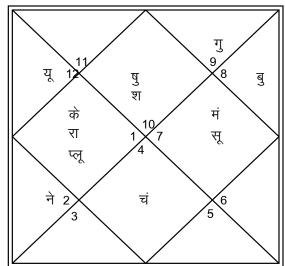
सप्तविंशाश – ताकद



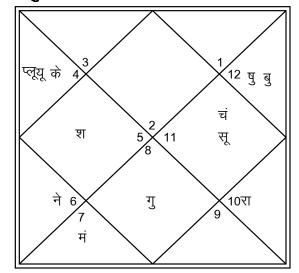
द्वादशांश—आई—वडील



विंशांश – धार्मिक कल

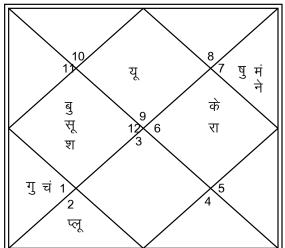


चतुर्विशांश - शिक्षण

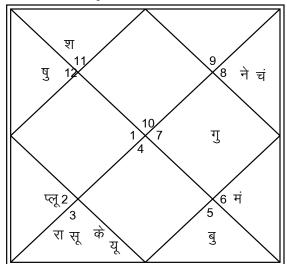


।। शोडशावर्ग कुंडली ।।

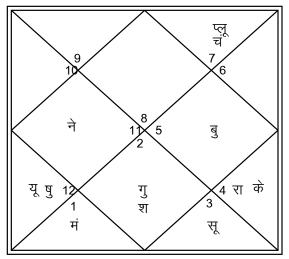
त्रिंशांश — दुर्भाग्य



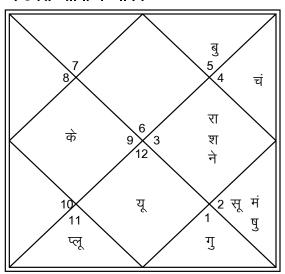
अक्षवेदांश – खुशाली



खवेदांश — मंगळ निकाल



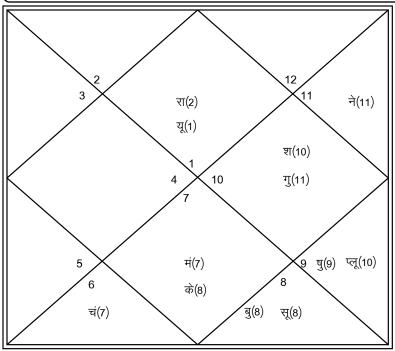
षष्टयंश-सामान्य जीवन





।। के पी पद्धती / नक्षत्र नाड़ी ।।





| मंगल —7 वर्ष 1/12/21 पासून 7/10/22 | | | | | | |
|---------------------------------------|---------------|--|--|--|--|--|
| मंगल | 00/00/00 | | | | | |
| राहु | राहु 00/00/00 | | | | | |
| गुरू | 00/00/00 | | | | | |
| शनि | 00/00/00 | | | | | |
| बुध | 00/00/00 | | | | | |
| केतु | 00/00/00 | | | | | |
| शुक | 1/11/21 | | | | | |
| सूर्य | 7/3/22 | | | | | |
| चंद्र 7/10/22 | | | | | | |

| शनि —19 वर्ष 7/10/56 पासून 7/10/75 | | | | | | |
|---------------------------------------|--------------|--|--|--|--|--|
| शनि | 10 / 10 / 59 | | | | | |
| बुध | 19/6/62 | | | | | |
| केतु | 28/7/63 | | | | | |
| शुक | 28/9/66 | | | | | |
| सूर्य | 10/9/67 | | | | | |
| चंद्र | 10/4/69 | | | | | |
| मंगल | 19/5/70 | | | | | |
| राहु | 25/3/73 | | | | | |
| गुरू | 7/10/75 | | | | | |

| शुक —20 वर्ष 7/10/99 पासून 7/10/19 | | | | | | | |
|---------------------------------------|---------|--|--|--|--|--|--|
| शुक | 7/2/03 | | | | | | |
| सूर्य | 7/2/04 | | | | | | |
| चंद्र | 7/10/05 | | | | | | |
| मंगल | 7/12/06 | | | | | | |
| राहु | 7/12/09 | | | | | | |
| गुरू | 7/8/12 | | | | | | |
| शनि | 7/10/15 | | | | | | |
| बुध | 7/8/18 | | | | | | |
| केतु | 7/10/19 | | | | | | |

| राहु —18 वर्ष 7/10/22 पासून 7/10/40 | | | | | |
|--|----------|--|--|--|--|
| राहु | 19/6/25 | | | | |
| गुरू | 13/11/27 | | | | |
| शनि | 19/9/30 | | | | |
| बुध | 7/4/33 | | | | |
| केतु | 25/4/34 | | | | |
| शुक | 25/4/37 | | | | |
| सूर्य | 19/3/38 | | | | |
| चंद्र | 19/9/39 | | | | |
| मंगल | 7/10/40 | | | | |

| 11101 17/107 40 | | | | | | |
|---------------------------------------|----------|--|--|--|--|--|
| बुध —17 वर्ष 7/10/75 पासून 7/10/92 | | | | | | |
| बुध | 4/3/78 | | | | | |
| केतु | 1/3/79 | | | | | |
| शुक | 1/1/82 | | | | | |
| सूर्य | 7/11/82 | | | | | |
| चंद्र | 7/4/84 | | | | | |
| मंगल | 4/4/85 | | | | | |
| राहु | 22/10/87 | | | | | |
| गुरू | 28/1/90 | | | | | |
| शनि | 7/10/92 | | | | | |

| सूर्य —6 वर्ष 7/10/19 पासून 7/10/25 | | | | | | |
|--|----------|--|--|--|--|--|
| सूर्य | 25/1/20 | | | | | |
| चंद्र | 25/7/20 | | | | | |
| मंगल | 1/12/20 | | | | | |
| राहु | 25/10/21 | | | | | |
| गुरू | 13/8/22 | | | | | |
| शनि | 25/7/23 | | | | | |
| बुध | 1/6/24 | | | | | |
| केतु | 7/10/24 | | | | | |
| शुक् | 7/10/25 | | | | | |

| गुरू —16 वर्ष 7/10/40 पासून 7/10/56 | | | | | | |
|--|----------|--|--|--|--|--|
| गुरू | 25/11/42 | | | | | |
| शनि | 7/6/45 | | | | | |
| बुध | 13/9/47 | | | | | |
| केतु | 19/8/48 | | | | | |
| शुक | 19/4/51 | | | | | |
| सूर्य | 7/2/52 | | | | | |
| चंद्र | 7/6/53 | | | | | |
| मंगल | 13/5/54 | | | | | |
| राहु | 7/10/56 | | | | | |

| केतु —7 वर्ष 7/10/92 पासून 7/10/99 | | | | | | | |
|---------------------------------------|----------|--|--|--|--|--|--|
| केतु | 4/3/93 | | | | | | |
| शुक | 4/5/94 | | | | | | |
| सूर्य | 10/9/94 | | | | | | |
| चंद्र | 10/4/95 | | | | | | |
| मंगल | 7/9/95 | | | | | | |
| राहु | 25/9/96 | | | | | | |
| गुरू | 1/9/97 | | | | | | |
| शनि | 10/10/98 | | | | | | |
| बुध | 7/10/99 | | | | | | |
| | | | | | | | |

| | चंद्र —10 वर्ष | | | | | | | | |
|------------------|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 7/10/25 प | 7/10/25 पासून 7/10/35 | | | | | | | | |
| चंद्र | 7/8/26 | | | | | | | | |
| मंगल | 7/3/27 | | | | | | | | |
| राहु | 7/9/28 | | | | | | | | |
| गुरू | 7/1/30 | | | | | | | | |
| शनि | 7/8/31 | | | | | | | | |
| बुध | 7/1/33 | | | | | | | | |
| केतु | 7/8/33 | | | | | | | | |
| शुक् | 7/4/35 | | | | | | | | |
| सूर्य | 7/10/35 | | | | | | | | |

| स्वामी ग्रह | | | | | | | | |
|-------------|-------------|---------|-----------|--|--|--|--|--|
| ग्रह | राशि अधिपती | नक्षत्र | सब अधिपती | | | | | |
| लग्न | मंगल | शुक्र | शुक्र | | | | | |
| चंद्र | शुक्र | मंगल | सूर्य | | | | | |
| दिवस अधिपती | | बुध | | | | | | |

| भाव स्थिति | | | | | |
|------------|-----------|-------|---------|-----------|-----------|
| गाठबिंदू | अंश | राशी | नक्षत्र | सब अधिपती | सब अधिपती |
| 1 | 014.43.45 | मंगल | शुक्र | शुक्र | गुरू |
| 2 | 044.14.37 | शुक्र | चंद्र | गुरू | शनि |
| 3 | 069.55.23 | बुध | राहु | गुरू | सूर्य |
| 4 | 095.28.53 | चंद्र | शनि | बुध | बुध |
| 5 | 124.10.26 | सूर्य | केतु | चंद्र | शनि |
| 6 | 157.59.15 | बुध | सूर्य | शुक्र | शुक्र |
| 7 | 194.43.45 | शुक्र | राहु | केतु | मंगल |
| 8 | 224.14.37 | मंगल | शनि | राहु | शुक्र |
| 9 | 249.55.23 | गुरू | केतु | शनि | बुध |
| 10 | 275.28.53 | शनि | सूर्य | बुध | केतु |
| 11 | 304.10.26 | शनि | मंगल | शुक्र | शनि |
| 12 | 337.59.15 | गुरू | शनि | केतु | शनि |

| ग्रहमाली अवस | था | | | | |
|--------------|-----------|-------|-----------------|-----------|-----------|
| ग्रह | अंश | राशी | ન क्षत्र | सब अधिपती | सब अधिपती |
| सूर्य | 225.23.07 | मंगल | शनि | गुरू | शनि |
| चंद्र | 185.02.52 | शुक्र | मंगल | सूर्य | राहु |
| मंगळ | 207.38.17 | शुक्र | गुरू | शुक्र | राहु |
| बुध | 226.38.23 | मंगल | शनि | गुरू | राहु |
| गुरु | 301.25.33 | शनि | मंगल | बुध | गुरू |
| शुक्र | 266.41.17 | गुरू | सूर्य | सूर्य | सूर्य |
| शनी | 284.55.30 | शनि | चंद्र | गुरू | शुक्र |
| राहु | 037.04.29 | शुक्र | सूर्य | केतु | शुक्र |
| केतु | 217.04.29 | मंगल | शनि | बुध | शनि |
| हर्शल | 017.46.11 | मंगल | शुक्र | मंगल | बुध |
| नेपच्यून | 326.17.00 | शनि | गुरू | केतु | गुरू |
| प्लुटो | 270.48.29 | शनि | सूर्य | राहु | शुक्र |

| घरांची कार्येश ग्रहे | | | | | | | | |
|----------------------|------|----|----|----|----|----|----|--|
| घर | ग्रह | | | | | | | |
| 1 | चं | मं | ग् | रा | | | | |
| 2 | षु | | | | | | | |
| 3 | बु | | | | | | | |
| 4 | चं | श | | | | | | |
| 5 | सू | षु | रा | | | | | |
| 6 | चं | बु | श | | | | | |
| 7 | चं | मं | गु | षु | के | | | |
| 8 | सू | चं | मं | बु | गु | ā | रा | |
| 9 | मं | गु | षु | | | | | |
| 10 | सू | मं | बु | गु | श | के | | |
| 11 | सू | बु | श | के | | | | |
| 12 | मं | गु | | | | | | |

| ग्रह संकेत | ग्रह संकेत | | | | | | | | | | |
|------------|------------|----|----|----|----|----|--|--|--|--|--|
| ग्रह | घर | | | | | | | | | | |
| सूर्य | 5 | 8 | 10 | 11 | | | | | | | |
| चंद्र | 1 | 4 | 6 | 7 | 8 | | | | | | |
| मंगळ | 1 | 7 | 8 | 9 | 10 | 12 | | | | | |
| बुध | 3 | 6 | 8 | 10 | 11 | | | | | | |
| गुरु | 1 | 7 | 8 | 9 | 10 | 12 | | | | | |
| शुक्र | 2 | 5 | 7 | 8 | 9 | | | | | | |
| शनी | 4 | 6 | 10 | 11 | | | | | | | |
| राहु | 1 | 5 | 8 | | | | | | | | |
| केतु | 7 | 10 | 11 | | | · | | | | | |

।। विंशोत्तरी दशा – प्रत्यांतर ।।

अयनांश नावः ज्ञण च्य छमू

| मंग | मंगल — सूर्य मंगल — चंद्र | | ल — चंद्र | राहु | — राहु | राहु | गुरू | राहु | — शनि |
|-------|---------------------------|-------|------------------|-------|------------------|--------|----------------------|----------|------------------------|
| 1/12/ | 21 पासून 7/ 3/22 | 7/3/ | 22 पासून 7/10/22 | 7/10/ | 22 पासून 19/ 6/2 | 519/6, | / 25 पासून 13 / 11 / | 2713/11/ | / 27 पासून 19 / 9 / 30 |
| सूर्य | 00/00/00 | चंद्र | 25/3/22 | राहु | 3/3/23 | गुरू | 15/10/25 | शनि | 26/4/28 |
| चंद्र | 00/00/00 | मंगल | 7/4/22 | गुरू | 13/7/23 | शनि | 1/3/26 | बुध | 21/9/28 |
| मंगल | 00/00/00 | राहु | 9/5/22 | शनि | 17 / 12 / 23 | बुध | 4/7/26 | केतु | 21/11/28 |
| राहु | 14/12/21 | गुरू | 7/6/22 | बुध | 4/5/24 | केतु | 24/8/26 | शुक् | 12/5/29 |
| गुरू | 1/1/22 | शनि | 10/7/22 | केतु | 1/7/24 | शुक | 18/1/27 | सूर्य | 3/7/29 |
| शनि | 21/1/22 | बुध | 10/8/22 | शुक् | 13/12/24 | सूर्य | 1/3/27 | चंद्र | 29/9/29 |
| बुध | 9/2/22 | केतु | 22/8/22 | सूर्य | 2/2/25 | चंद्र | 13/5/27 | मंगल | 29/11/29 |
| केतु | 16/2/22 | शुक् | 27/9/22 | चंद्र | 23/4/25 | मंगल | 4/7/27 | राहु | 3/5/30 |
| शुक | 7/3/22 | सूर्य | 7/10/22 | मंगल | 19/6/25 | राहु | 13/11/27 | गुरू | 19/9/30 |

| राहु | राहु — बुध राहु — केंतु | | राहु | — शुक | राहु | — सूर्य | राहु — चंद्र | | |
|--------|-------------------------|-------|------------------|-------|---------------------|---------|---------------------|--------|------------------------|
| 19/ 9/ | /30 पासून 7/ 4/3 | 7/4/ | 33 पासून 25/ 4/3 | 25/4, | / 34 पासून 25 / 4 / | 3725/4/ | / 37 पासून 19 / 3 / | 389/3/ | / 38 पासून 19 / 9 / 39 |
| बुध | 29/1/31 | केतु | 29/4/33 | शुक् | 25/10/34 | सूर्य | 12/5/37 | चंद्र | 4/5/38 |
| केतु | 23/3/31 | शुक् | 2/7/33 | सूर्य | 19/12/34 | चंद्र | 9/6/37 | मंगल | 6/6/38 |
| शुक् | 26/8/31 | सूर्य | 21/7/33 | चंद्र | 19/3/35 | मंगल | 28/6/37 | राहु | 27/8/38 |
| सूर्य | 12/10/31 | चंद्र | 23/8/33 | मंगल | 22/5/35 | राहु | 16/8/37 | गुरू | 9/11/38 |
| चंद्र | 28/12/31 | मंगल | 15/9/33 | राहु | 4/11/35 | गुरू | 29/9/37 | शनि | 4/2/39 |
| मंगल | 22/2/32 | राहु | 12/11/33 | गुरू | 28/3/36 | शनि | 21/11/37 | बुध | 21/4/39 |
| राहु | 10/7/32 | गुरू | 2/1/34 | शनि | 19/9/36 | बुध | 7/1/38 | केतु | 22/5/39 |
| गुरू | 12/11/32 | शनि | 2/3/34 | बुध | 22/2/37 | केतु | 25/1/38 | शुक् | 22/8/39 |
| शनि | 7/4/33 | बुध | 25/4/34 | केतु | 25/4/37 | शुक् | 19/3/38 | सूर्य | 19/9/39 |

| राहु | राहु — मंगल गुरू — गुरू | | | गुरू | शनि | गुरु | ज — बु ध | गुरू — केतु | |
|-------|-------------------------|-------|------------------|---------|------------------|-------|-------------------|-------------|------------------------|
| 19/9/ | / 39 पासून 7 / 10 / 4 | 7/10/ | 40 पासून 25/11/4 | 225/11/ | /42 पासून 7/ 6/4 | 57/6/ | '45 पासून 13/ 9/4 | 13/9/ | / 47 पासून 19 / 8 / 48 |
| मंगल | 11 / 10 / 39 | गुरू | 20/1/41 | शनि | 20/4/43 | बुध | 3/10/45 | केतु | 3/10/47 |
| राहु | 8/12/39 | शनि | 21/5/41 | बुध | 29/8/43 | केतु | 21/11/45 | शुक् | 29/11/47 |
| गुरू | 29/1/40 | बुध | 10/9/41 | केतु | 22/10/43 | शुक् | 7/4/46 | सूर्य | 16/12/47 |
| शनि | 28/3/40 | केतु | 25/10/41 | शुक् | 24/3/44 | सूर्य | 17/5/46 | चंद्र | 14/1/48 |
| बुध | 22/5/40 | शुक् | 3/3/42 | सूर्य | 10/5/44 | चंद्र | 25/7/46 | मंगल | 3/2/48 |
| केतु | 14/6/40 | सूर्य | 11/4/42 | चंद्र | 26/7/44 | मंगल | 13/9/46 | राहु | 24/3/48 |
| शुक् | 17/8/40 | चंद्र | 15/6/42 | मंगल | 19/9/44 | राहु | 15/1/47 | गुरू | 9/5/48 |
| सूर्य | 6/9/40 | मंगल | 30/7/42 | राहु | 6/2/45 | गुरू | 4/5/47 | शनि | 2/7/48 |
| चंद्र | 7/10/40 | राहु | 25/11/42 | गुरू | 7/6/45 | शनि | 13/9/47 | बुध | 19/8/48 |

।। विंशोत्तरी दशा – प्रत्यांतर ।।

| दशा भो | ग्यः MAR 0 Y 10 I | अयनांश नावः ज्ञण् च्य छमू | | | | | | | | |
|--------|---|---------------------------|------------------|------------------------|-----------|-----------------------|----------|-------------|------------------------|--|
| गुरू | — शुक | गुरू | i — सूर्य | गुरू | ज — चंद्र | गुरू | 5 — मंगल | गुरू — राहु | | |
| 19/8/ | 19/ 8/48 पासून 19/ 4/5119/ 4/51 पासून 7/ 2/ | | /51 पासून 7/ 2/5 | 27/ 2/52 पासून 7/ 6/53 | | 7/ 6/53 पासून 13/ 5/5 | | 13/5/ | / 54 पासून 7 / 10 / 56 | |
| शुक | 29/1/49 | सूर्य | 4/5/51 | चंद्र | 17/3/52 | मंगल | 27/6/53 | राहु | 23/9/54 | |
| सूर्य | 17/3/49 | चंद्र | 28/5/51 | मंगल | 15/4/52 | राहु | 17/8/53 | गुरू | 18/1/55 | |
| चंद्र | 7/6/49 | मंगल | 15/6/51 | राहु | 27/6/52 | गुरू | 2/10/53 | शनि | 5/6/55 | |
| मंगल | 3/8/49 | राहु | 28/7/51 | गुरू | 1/9/52 | शनि | 25/11/53 | बुध | 7/10/55 | |
| राहु | 27 / 12 / 49 | गुरू | 6/9/51 | शनि | 17/11/52 | बुध | 13/1/54 | केतु | 28 / 11 / 55 | |
| गुरू | 5/5/50 | शनि | 22/10/51 | बुध | 25/1/53 | केतु | 3/2/54 | शुक् | 22/4/56 | |
| शनि | 7/10/50 | बुध | 3/12/51 | केतु | 23/2/53 | शुक | 29/3/54 | सूर्य | 5/6/56 | |
| बुध | 23/2/51 | केतु | 19/12/51 | शुक | 13/5/53 | सूर्य | 15/4/54 | चंद्र | 17/8/56 | |
| केतु | 19/4/51 | शुक्र | 7/2/52 | सूर्य | 7/6/53 | चंद्र | 13/5/54 | मंगल | 7/10/56 | |

| शनि | शनि — शनि शनि — बुध | | न — बुध | शनि | शनि — केतु | | शनि — शुक्र | | न — सूर्य |
|-------|---------------------|--------|---------------------|---------|------------------|---------|------------------|----------------|------------------------|
| 7/10/ | 56 पासून 10/10/5 | 10/10, | / 59 पासून 19 / 6 / | 6219/6/ | /62 पासून 28/ 7/ | 6328/7/ | /63 पासून 28/ 9/ | 62 8/9/ | / 66 पासून 10 / 9 / 67 |
| शनि | 29/3/57 | बुध | 28/2/60 | केतु | 13/7/62 | शुक | 8/2/64 | सूर्य | 16/10/66 |
| बुध | 2/9/57 | केतु | 24/4/60 | शुक्र | 19/9/62 | सूर्य | 5/4/64 | चंद्र | 14 / 11 / 66 |
| केतु | 6/11/57 | शुक्र | 6/10/60 | सूर्य | 9/10/62 | चंद्र | 10/7/64 | मंगल | 4/12/66 |
| शुक् | 6/5/58 | सूर्य | 24/11/60 | चंद्र | 12/11/62 | मंगल | 17/9/64 | राहु | 25/1/67 |
| सूर्य | 30/6/58 | चंद्र | 15/2/61 | मंगल | 6/12/62 | राहु | 8/3/65 | गुरू | 11/3/67 |
| चंद्र | 30/9/58 | मंगल | 11/4/61 | राहु | 6/2/63 | गुरू | 10/8/65 | शनि | 5/5/67 |
| मंगल | 4/12/58 | राहु | 7/9/61 | गुरू | 29/3/63 | शनि | 10/2/66 | बुध | 23/6/67 |
| राहु | 16/5/59 | गुरू | 16/1/62 | शनि | 2/6/63 | बुध | 22/7/66 | केतु | 13/7/67 |
| गुरू | 10/10/59 | शनि | 19/6/62 | बुध | 28/7/63 | केतु | 28/9/66 | शुक् | 10/9/67 |

| शनि | शनि — चंद्र शनि — मंगल | | | शनि | ने — राहु | शनि | ने — गुरू | बुध — बुध | |
|-------|------------------------|---------|---------------------|---------|------------------|------------------|------------------|-----------|------------------|
| 10/9/ | /67 पासून 10 / 4 / | 6910/4/ | / 69 पासून 19 / 5 / | 7019/5/ | /70 पासून 25/ 3/ | 7 32 5/3, | /73 पासून 7/10/7 | 7/10/ | 75 पासून 4/ 3/78 |
| चंद्र | 28 / 10 / 67 | मंगल | 4/5/69 | राहु | 23/10/70 | गुरू | 27/7/73 | बुध | 10/2/76 |
| मंगल | 1/12/67 | राहु | 4/7/69 | गुरू | 10/3/71 | शनि | 21 / 12 / 73 | केतु | 1/4/76 |
| राहु | 27/2/68 | गुरू | 27/8/69 | शनि | 23/8/71 | बुध | 1/5/74 | शुक् | 25/8/76 |
| गुरू | 13/5/68 | शनि | 30 / 10 / 69 | बुध | 18/1/72 | केतु | 24/6/74 | सूर्य | 9/10/76 |
| शनि | 13/8/68 | बुध | 26 / 12 / 69 | केतु | 18/3/72 | शुक | 26/11/74 | चंद्र | 21 / 12 / 76 |
| बुध | 4/11/68 | केतु | 20/1/70 | शुक् | 9/9/72 | सूर्य | 11/1/75 | मंगल | 12/2/77 |
| केतु | 7/12/68 | शुक् | 26/3/70 | सूर्य | 30/10/72 | चंद्र | 27/3/75 | राहु | 22/6/77 |
| शुक् | 12/3/69 | सूर्य | 16/4/70 | चंद्र | 26/1/73 | मंगल | 21/5/75 | गुरू | 17/10/77 |
| सूर्य | 10/4/69 | चंद्र | 19/5/70 | मंगल | 25/3/73 | राहु | 7/10/75 | शनि | 4/3/78 |

।। विंशोत्तरी दशा – प्रत्यांतर ।।

अयनांश नावः ज्ञण च्य छमू

| बुध | बुध — केतु बुध — शुक | | — शुक | बुध | · — सूर्य | बुध | · — चंद्र | बुध — मंगल | | |
|-------|----------------------|-------|-------------------|-------|-------------------|-------|--------------------|------------|-------------------|--|
| 4/3/ | '78 पासून 1/ 3/79 | 1/3/ | '79 पासून 1/ 1/82 | 1/ 1/ | /82 पासून 7/11/82 | 7/11/ | ⁄ 82 पासून 7/ 4/84 | 7/4/ | '84 पासून 4/ 4/85 | |
| केतु | 25/3/78 | शुक | 21 / 8 / 79 | सूर्य | 17/ 1/82 | चंद्र | 20 / 12 / 82 | मंगल | 28 / 4 / 84 | |
| शुक् | 25/ 5/78 | सूर्य | 12/10/79 | चंद्र | 12/ 2/82 | मंगल | 20 / 1 / 83 | राहु | 22 / 6 / 84 | |
| सूर्य | 13/ 6/78 | चंद्र | 7/ 1/80 | मंगल | 2/3/82 | राहु | 6/4/83 | गुरू | 9/8/84 | |
| चंद्र | 12 / 7 / 78 | मंगल | 7/ 3/80 | राहु | 16 / 4 / 82 | गुरू | 14 / 6 / 83 | शनि | 6/10/84 | |
| मंगल | 3/8/78 | राहु | 10 / 8 / 80 | गुरू | 27 / 5 / 82 | शनि | 5/ 9/83 | बुध | 27/11/84 | |
| राहु | 27/ 9/78 | गुरू | 26 / 12 / 80 | शनि | 15 / 7 / 82 | बुध | 17/11/83 | केतु | 17/12/84 | |
| गुरू | 14 / 11 / 78 | शनि | 7/ 6/81 | बुध | 29 / 8 / 82 | केतु | 17/12/83 | शुक | 17/ 2/85 | |
| शनि | 11/ 1/79 | बुध | 2/11/81 | केतु | 16/ 9/82 | शुक | 12/3/84 | सूर्य | 5/3/85 | |
| बुध | 1/3/79 | केतु | 1/ 1/82 | शुक | 7/11/82 | सूर्य | 7/4/84 | चंद्र | 4 / 4 / 85 | |

| बुध | बुध — राहु बुध — गुरू | | बुध | · — शनि | केत् | पु — केतु | केतु — शुक्र | | |
|-------|-----------------------|-------|---------------------|--------------|------------------|-----------|-------------------|-------|-------------------|
| 4/4/ | 85 पासून 22/10/8 | 22/10 | / 87 पासून 28 / 1 / | 2 8/1 | /90 पासून 7/10/9 | 7/10/ | '92 पासून 4/ 3/93 | | '93 पासून 4/ 5/94 |
| राहु | 22 / 8 / 85 | गुरू | 11/ 2/88 | शनि | 2/ 7/90 | केतु | 16/10/92 | शुक | 14 / 5 / 93 |
| गुरू | 25 / 12 / 85 | शनि | 20 / 6 / 88 | बुध | 19/11/90 | शुक् | 11/11/92 | सूर्य | 5/6/93 |
| शनि | 20 / 5 / 86 | बुध | 16 / 10 / 88 | केतु | 16/ 1/91 | सूर्य | 18/11/92 | चंद्र | 10 / 7 / 93 |
| बुध | 30/9/86 | केतु | 4/12/88 | शुक् | 27/6/91 | चंद्र | 30/11/92 | मंगल | 5/8/93 |
| केतु | 23/11/86 | शुक्र | 20 / 4 / 89 | सूर्य | 16/8/91 | मंगल | 9/12/92 | राहु | 8/10/93 |
| शुक्र | 26 / 4 / 87 | सूर्य | 30 / 5 / 89 | चंद्र | 6/11/91 | राहु | 1/ 1/93 | गुरू | 4/12/93 |
| सूर्य | 12/6/87 | चंद्र | 8/8/89 | मंगल | 3/ 1/92 | गुरू | 20 / 1 / 93 | शनि | 10/2/94 |
| चंद्र | 29 / 8 / 87 | मंगल | 26 / 9 / 89 | राहु | 28 / 5 / 92 | शनि | 14/ 2/93 | बुध | 10 / 4 / 94 |
| मंगल | 22/10/87 | राहु | 28/ 1/90 | गुरू | 7/10/92 | बुध | 4/3/93 | केतु | 4/5/94 |

| केतु | केतु — सूर्य केतु — चंद्र | | | केत् | <u> —</u> मंगल | केत् | <u>पु —</u> राहु | केतु — गुरू | | |
|-------|---------------------------|-------|--------------|-------|------------------|-------|-------------------|-------------|--------------------|--|
| 4/5/ | '94 पासून 10/ 9/9 | | | 50/4 | /95 पासून 7/ 9/9 | 7/9/ | '95 पासून 25/ 9/9 | 25/9 | / 96 पासून 1/ 9/97 | |
| सूर्य | 11/ 5/94 | चंद्र | 28/ 9/94 | मंगल | 19 / 4 / 95 | राहु | 4/11/95 | गुरू | 10/11/96 | |
| चंद्र | 21 / 5 / 94 | मंगल | 10 / 10 / 94 | राहु | 11 / 5 / 95 | गुरू | 25 / 12 / 95 | शनि | 3/ 1/97 | |
| मंगल | 29 / 5 / 94 | राहु | 12/11/94 | गुरू | 1/6/95 | शनि | 24/ 2/96 | बुध | 21/ 2/97 | |
| राहु | 17/6/94 | गुरू | 10/12/94 | शनि | 24/6/95 | बुध | 18 / 4 / 96 | केतु | 11/3/97 | |
| गुरू | 4/7/94 | शनि | 13/ 1/95 | बुध | 15 / 7 / 95 | केतु | 10 / 5 / 96 | शुक | 7/ 5/97 | |
| शनि | 24 / 7 / 94 | बुध | 13/ 2/95 | केतु | 23 / 7 / 95 | शुक् | 13 / 7 / 96 | सूर्य | 23 / 5 / 97 | |
| बुध | 12/8/94 | केतु | 25/ 2/95 | शुक | 18/ 8/95 | सूर्य | 2/8/96 | चंद्र | 21/6/97 | |
| केतु | 19/8/94 | शुक् | 30 / 3 / 95 | सूर्य | 25 / 8 / 95 | चंद्र | 3/9/96 | मंगल | 11 / 7 / 97 | |
| शुक् | 10/9/94 | सूर्य | 10 / 4 / 95 | चंद्र | 7/ 9/95 | मंगल | 25/ 9/96 | राहु | 1/ 9/97 | |

।। विंशोत्तरी दशा – प्रत्यांतर ।।

अयनांश नावः ज्ञण च्य छमू

| , | | | र् — बुध /98 पासून 7/10/9 |
|-------|-------------|-------|--------------------------------------|
| शनि | 5/11/97 | बुध | 1/12/98 |
| बुध | 1/ 1/98 | केतु | 22/12/98 |
| केतु | 24/ 1/98 | शुक | 21/ 2/99 |
| शुक | 1/4/98 | सूर्य | 9/3/99 |
| सूर्य | 21 / 4 / 98 | चंद्र | 9/4/99 |
| चंद्र | 24 / 5 / 98 | मंगल | 30 / 4 / 99 |
| मंगल | 17/ 6/98 | राहु | 23/6/99 |
| राहु | 17/ 8/98 | गुरू | 11/8/99 |
| गुरू | 10/10/98 | शनि | 7/10/99 |

।। मैत्री कोष्टक ।।

नैसर्गिक मैत्री

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरू | शुक्र | शनि |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| सूर्य | | मित्र | मित्र | तटस्थ | मित्र | शत्रू | शत्रू |
| चंद्र | मित्र | | तटस्थ | मित्र | तटस्थ | तटस्थ | तटस्थ |
| मंगल | मित्र | मित्र | | शत्रू | मित्र | तटस्थ | तटस्थ |
| बुध | मित्र | शत्रू | तटस्थ | | तटस्थ | मित्र | तटस्थ |
| गुरू | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रू | | शत्रू | तटस्थ |
| शुक्र | शत्रू | शत्रू | तटस्थ | मित्र | तटस्थ | | मित्र |
| शनि | शत्रू | शत्रू | शत्रू | मित्र | तटस्थ | मित्र | |

तात्कालिक मैत्री

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरू | शुक्र | शनि |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| सूर्य | :: | मित्र | मित्र | शत्रू | मित्र | मित्र | मित्र |
| चंद्र | मित्र | | शत्रू | मित्र | शत्रू | मित्र | मित्र |
| मंगल | मित्र | शत्रू | | मित्र | शत्रू | मित्र | मित्र |
| बुध | शत्रू | मित्र | मित्र | | मित्र | मित्र | मित्र |
| गुरू | मित्र | शत्रू | शत्रू | मित्र | | मित्र | मित्र |
| शुक्र | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | | मित्र |
| शनि | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | मित्र | |

पंचधा मैत्री

| | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरू | शुक्र | शनि |
|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| सूर्य | | आत्मीय | आत्मीय | शत्रू | आत्मीय | तटस्थ | तटस्थ |
| चंद्र | आत्मीय | | शत्रू | आत्मीय | शत्रू | मित्र | मित्र |
| मंगल | आत्मीय | तटस्थ | | तटस्थ | तटस्थ | मित्र | मित्र |
| बुध | तटस्थ | तटस्थ | मित्र | | मित्र | आत्मीय | मित्र |
| गुरू | आत्मीय | तटस्थ | तटस्थ | तटस्थ | | तटस्थ | मित्र |
| शुक्र | तटस्थ | तटस्थ | मित्र | आत्मीय | मित्र | | आत्मीय |
| शनि | तटस्थ | तटस्थ | तटस्थ | आत्मीय | मित्र | आत्मीय | |

।। षड्बल आणी भावबल कोष्टक ।।

षड्बल, वैदिक ज्योतिष मध्ये एक विधी आहे जो ग्रहांच्या आणि घरांच्या ताकदीबद्दल लगेच माहिती देतात. संस्कृत मध्ये शट म्हणजे सहा आहे आणि बल म्हणजे ताकद आहे म्हणून यामध्ये सहा विभिन्न स्रोत असतात. षड्बल प्रक्रिया ही थकवणारी प्रक्रिया आहे परंतु, कॉम्पुटरचे आभार आहेत जे माउस चा एका क्लिक करण्याने या ताकदीने गुणांक मिळवू शकतात. षड्बल विधी हा प्रत्येक ग्रह आणि प्रत्येक घर याला मुल्याकंन देते. अधिक अंक एक घर आणि एक ग्रहांमध्ये प्राप्त झाले तर त्यांचे षड्बल मजबूत असते.

षडबल कोष्टक

| | सूर्य | चंद्र | मंगळ | मेर | जूप | वेन | सेट |
|-------------------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| उच्च बल | 11.77 | 9.35 | 29.85 | 39.48 | 8.78 | 29.87 | 31.72 |
| सप्त्वर्गज बल | 157.5 | 78.75 | 90 | 97.5 | 97.5 | 127.5 | 157.5 |
| ओजयुग्मरस्यांश बल | 0 | 15 | 30 | 0 | 30 | 15 | 0 |
| केंद्र बल | 30 | 60 | 60 | 30 | 30 | 15 | 60 |
| द्रेष्काण बल | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 |
| एकूण स्थान बल | 199.27 | 163.1 | 209.85 | 181.98 | 181.28 | 202.37 | 264.22 |
| एकूण दिग बल | 43.3 | 30.14 | 37.39 | 10.64 | 35.57 | 2.93 | 29.93 |
| नतोनंत बल | 42.01 | 17.99 | 17.99 | 60 | 42.01 | 42.01 | 17.99 |
| पक्ष बल | 46.55 | 26.89 | 46.55 | 46.55 | 13.45 | 13.45 | 46.55 |
| त्रिभाग बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 60 | 0 | 60 |
| अब्द बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 15 |
| मास बल | 0 | 0 | 30 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| वार बल | 0 | 0 | 0 | 45 | 0 | 0 | 0 |
| होरा बल | 0 | 60 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अयन बल | 4.48 | 44.23 | 6.93 | 58.02 | 13.48 | 2.28 | 52.84 |
| युद्ध बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| एकूण काल बल | 93.04 | 149.11 | 101.47 | 209.58 | 128.94 | 57.74 | 192.38 |
| एकूण चेष्टा बल | 6.85 | 13.45 | 5.65 | 0.5 | 28.91 | 46.36 | 21.96 |
| एकूण नैसर्गिक बल | 60 | 51.42 | 17.16 | 25.74 | 34.26 | 42.84 | 8.58 |
| एकूण द्रिक् बल | 0.71 | 12.27 | -1.69 | 0.4 | -37.09 | -15.46 | -25.32 |
| एकूण षड्बल | 403.17 | 419.48 | 369.82 | 428.84 | 371.87 | 336.78 | 491.76 |
| षड्बल (रुपस) | 6.72 | 6.99 | 6.16 | 7.15 | 6.2 | 5.61 | 8.2 |
| न्यूनतम आवश्यकता | 5 | 6 | 5 | 7 | 6.5 | 5.5 | 5 |
| अनुपात | 1.34 | 1.17 | 1.23 | 1.02 | 0.95 | 1.02 | 1.64 |
| तुलनात्मक क्रम | 2 | 4 | 3 | 5 | 7 | 6 | 1 |

भावबल तालिका

| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|--------------------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| भावाधीपती बल | 369.82 | 336.78 | 428.84 | 419.48 | 403.17 | 428.84 | 336.78 | 369.82 | 371.87 | 491.76 | 491.76 | 371.87 |
| भावदिग बल | 30 | 20 | 40 | 60 | 10 | 10 | 0 | 50 | 20 | 60 | 40 | 20 |
| भावदृष्टी बल | -9.56 | -51.08 | -24.63 | -42.8 | 28.13 | 34.65 | 51.07 | -2.6 | -5.99 | -28.84 | -65.24 | -38.5 |
| एकूण भाव बल | 390.26 | 305.7 | 444.21 | 436.68 | 441.3 | 473.48 | 387.85 | 417.23 | 385.87 | 522.92 | 466.52 | 353.37 |
| रूपांमधले एकूण भाव | 6.5 | 5.1 | 7.4 | 7.28 | 7.35 | 7.89 | 6.46 | 6.95 | 6.43 | 8.72 | 7.78 | 5.89 |

| तुलनात्मक क्रम | 8 | 12 | 4 | 6 | 5 | 2 | 9 | 7 | 10 | 1 | 3 | 11 |
|----------------|---|----|---|---|---|---|---|---|----|---|---|----|

।। ग्रह ते ग्रह दृष्टी (पाश्चात्य) ।।

| | सूर्य 225 23 | चंद्र 185 2 | मंगल 207 38 | बुध 226 38 | गुरू 301 25 | शुक्र 266 41 | शनि 284 55 | राहु 37 4 | केतु 217 4 | अरूण 17 46 | वरूण 326 17 | यम 270 48 |
|------------------------------|--------------------|-------------------|-------------------|------------------|-------------------|--------------------|------------------|-----------------|------------------|------------------|-------------------|---------------------|
| सूर्य 225 _. 23 | | | | युति 9.16 | | | तृती 2.77 | | | | | अर्धद्वितीय 0.58 |
| चंद्र 185 _. 2 | नवां 0.66 | | | | पंच 1.19 | | | | | | | चतृर्थ 0.88 |
| मंगल 207 _. 38 | | | | | चतृर्थ 1.11 | तृती 2.53 | | | युति 3.71 | | पंच 2.32 | तृती 1.41 |
| बुध 226 _. 38 | | | | | | नवां 0.95 | तृती 2.14 | | | | | अर्धद्वितीय 0.17 |
| गुरू 301 _. 25 | | | | | | | | | | | | |
| शुक्र 266 _. 41 | | | | | | | | | | | तृती 2.8 | युति 7.25 |
| शनि 284 _. 55 | | | | | | | | | | | | |
| राहु 37 _. 4 | सप्त 4.46 | | सप्त 3.71 | सप्त 3.62 | | | | | सप्त 10.0 | | | |
| केतु 217 _. 4 | युति 4.46 | | | युति 3.62 | चतृर्थ 0.18 | | | | | | | |
| अरूण 17 _. 46 | :- | सप्त 1.52 | सप्त 3.42 | | | | | | | | | |
| वरूण 326 _. 17 | | | | | | | | | | | | |
| यम 270 _. 48 | | | | | | | युति 0.59 | | | | तृती 0.74 | |

टिपण:

1. पुढील पैलू आणि मूल्ये मोजणी साठी घेतल्या गेल्या आहेत :

| संक्षिप्त—दृष्टी | अंश | बिंब | वजन | संक्षिप्त–दृष्टी | अंश | बिंब | वजन |
|------------------|-----|------|-----|------------------|-----|------|-----|
| युती | 0 | 15 | 10 | सप्त | 180 | 15 | 10 |
| पंच | 120 | 6 | 3 | चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| त्रितिय | 60 | 6 | 3 | अर्धव्दितीय | 45 | 1 | 1 |
| नवं | 40 | 1 | 1 | पंचा | 72 | 1 | 1 |
| अष्ट | 135 | 1 | 1 | षष्ट | 150 | 1 | 1 |

- 2. ग्रहांचा नावा खालील दोन ओळ वरती आणि ग्रहांचा नावा खालची मूल्ये डाव्या बाजूला त्यात्या ग्रहांची डिग्री व मिनिट दर्शवतात.
- 3. हा तक्ता द्रीष्टी अस्तित्वात असेलतर व त्याचे वजन दर्शवितो. द्रीष्टीचे वजन द्रीष्टीचे बळ दाखवतो.
- 4. द्रीष्टी लावण्यासाठी डावीकडून वर पहा आणि विभक्त द्रीष्टी साठी वरून डावीकडे पहा.

।। भाव मध्याचे अंग ।।

| | 1 14 43 | 2 41 38 | 3 68 33 | 4 95 28 | 5 128 33 | 6 161 38 | 7 194 43 | 8 221 38 | 9 248 33 | 10 275 28 | 11 308 33 | 12 341 38 |
|------------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| सूर्य 225 _. 23 | | | | | | | | | | | | पंच 1.13 |
| चंद्र 185 _. 2 | | | | | | | युति 3.55 | | तृती 1.24 | चतृर्थ 2.78 | पंच 1.24 | |
| मंगल 207 _. 38 | | | | | | | | युति 0.66 | नवां 0.07 | | | अष्टा 0.01 |
| बुध 226 _. 38 | | | | | | | | | | | | पंच 0.5 |
| गुरू 301 _. 25 | | | | | | | | | | | युति 5.24 | नवां 0.78 |
| शुक्र 266 _. 41 | | | | | | | | | | युति 4.14 | | |
| शनि 284 _. 55 | | | | | | | | | | | | तृती 1.36 |
| राहु 37 _. 4 | | युति 6.95 | | तृती 2.2 | चतृर्थ 2.26 | पंच 0.71 | | सप्त 6.95 | | | | |
| केतु 217 _. 4 | | | | | | | | युति 6.95 | | तृती 2.2 | चतृर्थ 2.26 | पंच 0.71 |
| अरूण 17 _. 46 | | | | | | | सप्त 7.97 | | | | | |
| वरूण 326 _. 17 | | | | | | | | | | | | |
| यम 270 _. 48 | | | | | | | | | | युति 6.88 | | |

टिपण:

1. पुढील पैलू आणि मूल्ये मोजणी साठी घेतल्या गेल्या आहेत :

| संक्षिप्त—दृष्टी | अंश | बिंब | वजन | संक्षिप्त–दृष्टी | अंश | बिंब | वजन |
|------------------|-----|------|-----|------------------|-----|------|-----|
| युती | 0 | 15 | 10 | सप्त | 180 | 15 | 10 |
| पंच | 120 | 6 | 3 | चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| त्रितिय | 60 | 6 | 3 | अर्धव्दितीय | 45 | 1 | 1 |
| नवं | 40 | 1 | 1 | पंचा | 72 | 1 | 1 |
| अष्ट | 135 | 1 | 1 | षष्ट | 150 | 1 | 1 |

- 2. ग्रहांचा नावा खालील दोन ओळ वरती आणि ग्रहांचा नावा खालची मूल्ये डाव्या बाजूला त्यात्या ग्रहांची डिग्री व मिनिट दर्शवतात.
- 3. चलित कुंडलीचे भावमध्य अंश द्रीष्टी गणनासाठी कॅस्प डिग्री म्हणून घेतलेले आहेत.
- 4. हा तक्ता भावमध्यावर ग्रहांची द्रीष्टी दर्शवतो.

।। के पी गाठबिंदू चे अंग ।।

| | 1 14 43 | 2 44 14 | 3 69 55 | 4 95 28 | 5 124 10 | 6 157 59 | 7 194 43 | 8 224 14 | 9 249 55 | 10 275 28 | 11 304 10 | 12 337 59 |
|------------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| सूर्य 225 _. 23 | | : | | : | | | | | | | | |
| चंद्र 185 _. 2 | | | | | | | युति 3.55 | नवां 0.2 | तृती 0.56 | चतृर्थ 2.78 | पंच 2.56 | |
| मंगल 207 _. 38 | | | | | | | | | | | | |
| बुध 226 _. 38 | | | | | | | | | | | | |
| गुरू 301 _. 25 | | | | | | | | | | | युति 8.17 | |
| शुक्र 266 _. 41 | | | | | | | | | | युति 4.14 | | पंचा 0.3 |
| शनि 284 _. 55 | | | | | | | | | | | | |
| राहु 37 _. 4 | | युति 5.22 | | तृती 2.2 | चतृर्थ 1.55 | पंच 2.54 | | सप्त 5.22 | | | | |
| केतु 217 _. 4 | | : | | : | : | | : | युति 5.22 | | तृती 2.2 | चतृर्थ 1.55 | पंच 2.54 |
| अरूण 17 _. 46 | | ŀ | : | : | ŀ | | सप्त 7.97 | | : | ŀ | ŀ | |
| वरूण 326 _. 17 | | | | | | | | | | | | युति 2.2 |
| यम 270 _. 48 | | : | | | | | | | | युति 6.88 | | |

टिपण:

1. पुढील पैलू आणि मूल्ये मोजणी साठी घेतल्या गेल्या आहेत :

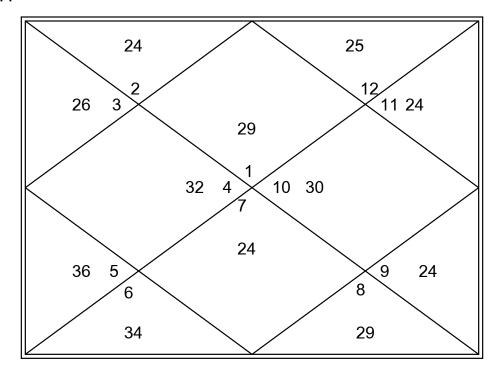
| संक्षिप्त—दृष्टी | अंश | बिंब | वजन | संक्षिप्त–दृष्टी | अंश | बिंब | वजन |
|------------------|-----|------|-----|------------------|-----|------|-----|
| युती | 0 | 15 | 10 | सप्त | 180 | 15 | 10 |
| पंच | 120 | 6 | 3 | चतुर्थ | 90 | 6 | 3 |
| त्रितिय | 60 | 6 | 3 | अर्धव्दितीय | 45 | 1 | 1 |
| नवं | 40 | 1 | 1 | पंचा | 72 | 1 | 1 |
| अष्ट | 135 | 1 | 1 | षष्ट | 150 | 1 | 1 |

- 2. ग्रहांचा नावा खालील दोन ओळ वरती आणि ग्रहांचा नावा खालची मूल्ये डाव्या बाजूला त्यात्या ग्रहांची डिग्री व मिनिट दर्शवतात.
- 3. के पी पद्धती मध्ये वापरलेले कॅस्प डिग्री द्रीष्टी गणना करण्यासाठी कॅस्प डिग्री म्हणून घेतलेले आहेत.
- 4. हा तक्ता के पी कॅस्प वर ग्रहांची द्रीष्टी दर्शवतो.

।। अष्टवर्ग कोष्टक ।।

| राशी क्रमांक | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|-----------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| सूर्य | 3 | 3 | 5 | 7 | 5 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 3 | 3 |
| चंद्र | 3 | 4 | 6 | 2 | 6 | 5 | 2 | 4 | 3 | 4 | 5 | 5 |
| मंगळ | 5 | 2 | 1 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 2 | 6 | 1 | 3 |
| बुध | 6 | 3 | 1 | 8 | 5 | 5 | 5 | 5 | 2 | 7 | 3 | 4 |
| गुरु | 6 | 6 | 3 | 4 | 7 | 5 | 3 | 5 | 5 | 4 | 5 | 3 |
| शुक्र | 4 | 3 | 5 | 3 | 5 | 7 | 5 | 4 | 5 | 3 | 4 | 4 |
| शनी | 2 | 3 | 5 | 4 | 4 | 4 | 2 | 3 | 4 | 2 | 3 | 3 |
| एकूण | 29 | 24 | 26 | 32 | 36 | 34 | 24 | 29 | 24 | 30 | 24 | 25 |

अष्टवर्ग तालिकाः



।। प्रस्तरअष्टकवर्ग तालिका ।। _{चंद्र}

सूर्य

आर जी ले वि लि वृश्चिक धनु के कुंभ पाई एकूण सूर्य शु शनी राहु

3 3

| Г | | | | | _ | _ | _ | _ | | | _ | _ | | |
|---|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| | | आर | वृषभ | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
| | सूर्य | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| | चं | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 6 |
| | मं | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| | बु | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| | गु | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| | शु | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 7 |
| | शनी | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| | राहु | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 |
| | एकूण | 3 | 4 | 6 | 2 | 6 | 5 | 2 | 4 | 3 | 4 | 5 | 5 | |

मंगळ

एकूण

5 7

| | आर | वृषभ | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| सूर्य | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| चं | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| मं | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| बु | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| ŋ | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| शु | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| शनी | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| राहु | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| एकूण | 5 | 2 | 1 | 4 | 4 | 4 | 3 | 4 | 2 | 6 | 1 | 3 | |

| बुध | | | | | | | | | | | | | |
|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| | आर | वृषभ | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
| सूर्य | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| चं | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 6 |
| मं | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 8 |
| बु | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| गु | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| शु | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| शनी | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| राहु | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| एकूण | 6 | 3 | 1 | 8 | 5 | 5 | 5 | 5 | 2 | 7 | 3 | 4 | |

गुरु

| | आर | वृषम | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| चं | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| मं | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| बु | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| गु | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| शु | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 6 |
| शनी | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| राहु | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| एकूण | 6 | 6 | 3 | 4 | 7 | 5 | 3 | 5 | 5 | 4 | 5 | 3 | |

शुक्र

| | आर | वृषभ | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| सूर्य | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| चं | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| मं | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| बु | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| યુ | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| शु | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| शनी | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 7 |
| राहु | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 8 |
| एकूण | 4 | 3 | 5 | 3 | 5 | 7 | 5 | 4 | 5 | 3 | 4 | 4 | |

शनी

| | आर | वृषभ | जी | कॅ | ले | वि | लि | वृश्चिक | धनु | के | कुंभ | पाई | एकूण |
|-------|----|------|----|----|----|----|----|---------|-----|----|------|-----|------|
| सूर्य | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 7 |
| चं | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| मं | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| बु | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 |
| गु | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 |
| शु | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| शनी | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| राहु | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| एकूण | 2 | 3 | 5 | 4 | 4 | 4 | 2 | 3 | 4 | 2 | 3 | 3 | |

Disclaime

We wants to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report are provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).